हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026

तापमान

अधिकतम 27 .0 डिग्री
न्यूनतम 13 .0 डिग्री

10 नागरिक अस्पताल में खराब पीएसए ऑक्सीजन...

10 शहीद कै. पवन के बलिदान को किया सलाम

खबर संक्षेप

हाइड्रोजन ट्रेन ट्रॉयल की संभावना आज

जींद। हाइड्रोजन ट्रेन ट्रायल रविवार को हो सकती है। इस दौरान पूरी ट्रेन को ट्रायल के लिए चलाया जाएगा। ट्रायल दोपहर बाद चार बजे हो सकती है। ट्रेन में एक डिब्बे में 30 से 35 पानी के कैन रखे गए हैं। एक कैन दस से 15 लीटर की क्षमता वाला है। इसके अलावा ट्रेन में कोटिंग व वायरिंग का काम शनिवार को भी जारी रहा। ट्रेन के संचालन को लेकर प्लांट के स्टोरेज टैंक में भरी गैस ट्रेन के इंजन में भरी जाएगी।

हमला कर दो भाइयों को किया घायल, 5 नामजद

जींद। पटेल नगर नरवाना में घर में घुस हमला कर दो भाइयों को घायल करने पर शहर थाना नरवाना पुलिस ने पांच लोगों को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पटेल नगर निवासी रोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी वार्ड के एमसी बलजीत से रंजिश चली आ रही है। बलजीत परिवार का करतार शराब पीकर उनके मकान के सामने गाली दे रहा था।

मजदूर संघ 25 को करेंगे विरोध प्रदर्शन

जींद। भारतीय मजदूर संघ जिला जींद द्वारा 25 फरवरी को जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जानकारी देते हुए भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष राम मेहर जांगड़ा व जिला मंत्री विनोद शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि भारतीय मजदूर संघ का 21 वां अखिल भारतीय तीन दिवसीय अधिवेशन विगत 6, 7, 8 फरवरी 2026 को भगवान जगन्नाथ के पवित्र स्थल पुरी (उड़ीसा) में सम्पन्न हुआ।

आधा दर्जन गांव व कालोनियों में रात एक साथ दी दस्तक

पुलिस की नशे के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, मारे छापे

छह बाइक, कार, दो लैपटॉप व केबल बरामद, तीन लाख लगाया जुर्माना

400 पुलिस कर्मचारी और बिजली निगम की टीम रही साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़े स्तर पर मध्यरात्री के बाद आधा दर्जन गांवों तथा कालोनियों में एक साथ छापेमारी की और तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई में 400 पुलिस जवानों के अलावा अधिकारियों, डॉग स्कवायड तथा बिजली निगम की टीमें भी शामिल हुई। कार्रवाई उन इलाकों में की गई, जो नशे के लिए बदनाम हैं। पुलिस ने वहां से छह संदिग्ध बाइकों, कार, दो लैपटापों को कब्जे में लिया है। उन इलाकों में बिजली चोरी भी मिली हैं। जिन्हें तीन लाख रुपये जुर्माना लगाया है। नशे के पांच हॉट स्पोट स्थानों को किया चिन्हित जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ बनाई योजना के तहत उन इलाकों को चिन्हित किया जहां पर नशे का कारोबार होता है। जो नशे के लिए बदनाम हैं। जिसमें गांव लोहचब, गांव आफताबगढ़, डेरा सच्चा सिंह, गांव संडील, नरवाना की चमेला कॉलोनी शामिल रहे हैं। जिन्हें पहले भी विभाग ने चिन्हित कर लिया था। योजना के मुताबिक पांच नशे के हॉट स्पॉट को चिन्हित करने के बाद उन इलाकों के डीएसपी का कमान सौंपी गई। जिसमें नरवाना के डीएसपी कमलदीप राणा, उचाना के डीएसपी संजय कुमार, सफीदों के डीएसपी गौरव शर्मा शामिल रहे। पूरे अभियान में संबंधित थाना इलाकों के प्रभारियों के अलावा 400 पुलिस जवान शामिल हुए। मध्यरात्री के बाद गठित पुलिस टीमों ने हॉट स्पॉट स्थानों को घेर लिया। उस दौरान हॉट स्पॉट के संदिग्ध लोग अपने घरों में सोए हुए थे। फिर टीमों ने नशे से जुड़े लोगों के घरो में सर्च अभियान चलाया। जिसमें डॉग स्कवायड की सहायता ली गई। लगभग तीन घंटे चले तलाशी अभियान में नशा तो बरामद नही हुआ लेकिन बिजली चोरी जरूर पकड़ी गई।

जींद। सर्च अभियान चलाए पुलिसकर्मी व बिजली चोरी के बाद तारें ले जाते निगम कर्मी। फोटो :हरिभूमि

दस बिजली चोरी के मामले पकड़े

सर्च अभियान में बिजली विभाग की टीमें भी शामिल रही। चिन्हित प्वायंटों पर जब छापेमारी की और सर्च अभियान चलाया गया। नरवाना की चेमला कालोनी में दस बिजली चोरी भी पकड़ी गई। जिस पर बिजली निगम ने केबलों को कब्जे में ले कर बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ तीन लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। नरवाना के डीएसपी कमलदीप राणा ने बताया कि एसपी कुलदीप के दिशा-निर्देशों पर नशे के खिलाफ अभियान चलाया । जिसमे 400 पुलिसकर्मी, डॉग स्कवायड शामिल हुए। बिजली निगम की टीमें भी रही। सर्च अभियान में छह बाइक, दो लैपटॉप, एक कार को कब्जे में लिया गया है। दस बिजली चोरी के मामले पकड़े हैं। जिन्हें तीन लाख रुपये जुर्माना लगाया है। नशा तस्करों द्वारा अर्जित अवैध संपत्ति एवं अवैध निर्माणों की भी गहन जांच की गई जिसकी अलग से कार्यवाही जारी है।

सड़क हादसे में एक की मौत, साथी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

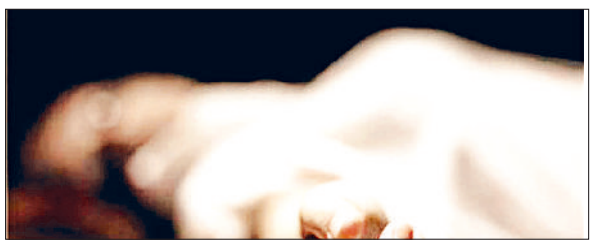

गांव पबनावा के निकट एक सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले में मृतक के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ढांड थाना पुलिस में दी शिकायत में गांव पबनावा निवासी संदीप शर्मा ने बताया कि उसके पिता सुभाष चंद गांव पबनावा स्थित गणेश भट्ठा पर मजदूरी का काम करते थे। शुक्रवार रात करीब 8 बजे वे अपना काम खत्म कर अपने दोस्त रामपाल निवासी मोहडी के साथ बाइक पर सवार होकर गांव लौट रहे थे। जब वे गांव के नजदीक पहुंचे तो सामने से आ रहे एक बाइक राइडर ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सुभाष चंद को मृत घोषित कर दिया। वहीं रामपाल को प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया। ढांड थाना के जांच अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींद। धुंध के बीच गुजरते वाहन। फोटो :हरिभूमि

धुंध ने फिर रोकी वाहनों की रफ्तार

जींद। जिले में शनिवार सुबह अचानक गहरी धुंध छाई। धुंध ने वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दी। सुबह गहरी धुंध छाने से दृश्यता महज दस मीटर रही। जिसके चलते सड़क और रेल यातायात दोनों प्रभावित रहे। धुंध के कारण राष्ट्रीय और राज्य मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए। कई जगह चालकों को दिन में भी हेडलाइट जला कर वाहन चलाने पड़े। स्कूल बसों, निजी वाहनों और दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों को देरी हुई। हालांकि बाद में धूप निकलने से स्थिति में कुछ सुधार हुआ और दृश्यता बढ़ी। पिछले दिनों हुई बूंदाबांदी के बाद सुबह और शाम के समय ठिठुरन बढ़ गई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं हवा की गति आठ किमी प्रति घंटा रही तथा नमी की मात्रा 36 प्रतिशत रही। वहीं रेल यातायात पर भी कोहरे का असर साफ दिखाई दिया। कुछ ट्रेनों की रफ्तार कम करनी पड़ी। जिससे वे अपने निर्धारित समय से देरी से पहुंचीं। शनिवार को 20424 पटालकोट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 35 मिनट की देरी से 09:33 बजे जींद जंक्शन पहुंची। इसके अलावा श्रीगंगानगर इंटरसिटी भी 11 की बजाए 11 बजकर 31 मिनट पर जींद जंक्शन पहुंची। इसके कारण स्टेशन पर यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। गांव पांडू पिंडारा मौसम विज्ञान केंद्र के डा. राजेश कुमार ने कहा कि आगामी कुछ दिन इसी तरह सुबह के समय धुंध छाने की संभावना है। वहीं अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी। अगले सप्ताह तक तापमान 30 डिग्री तक पहुंच जाएगा।

- सुबह व शाम बढ़ी ठिठुरन, आवागमन में लोगों को हुई परेशानी

दुकानदार से 4 लाख की नकदी व बही खाता लूटा

कैथल। गांव चौशाला में एक महिला व तीन व्यक्ति दुकानदार से मारपीट करते हुए उसके चार लाख रुपये व बही खाता लूटकर फरार हो गए। इस संबंध में रामगढ पांडवा के रणबीर ने कलायत पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह चौशाला गांव में सरकारी स्कुल के सामने पीछले सात साल से परचुन की दुकान करता है। 19 फरवरी को देर सायं करीब 8 बजे बाइक पर सवार होकर घर के लिये चला था। उस समय मेरे पास 4 लाख नकद रुपये काली पन्नी में तथा बही खाता था। जब चौशाला व रामगढ़ सड़क पर बलोक वाली फैक्टरी के पास पहुंचा तो रामगढ़ की तरफ से दो बाइकों पर चार व्यक्ति आए। इनमें एक औरत थी। आरोपियों ने उसकी बाइक के पास आकर बाइक रुकवाई और उसे औरत ने कहा कि बही खाता कहा हैं। इस पर उसने कहा कि कौन सा बही खाता। आरोपियों नें उसके साथ धक्का मुक्की करते हुए उसकी चार लाख की नकदी और बही खाता लूटकर फरार हो गए। उसने आरोप लगाया कि बही खाता में सोनी चौशाला व उसके परिवार के साथ रुपये का लेने देन लिखा हुआ है। आरोपियों से उसने 2.5 लाख रुपये लेने है।

!! महायोगी गुरुगोरक्षनाथाय नमः!! !! श्री बाबा मस्तनाथो विजयतेतराम!!

गोरक्ष स्वरूप सिद्ध शिरोमणि
श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज

तपस्वी रणपतनाथ योगी जी

श्री बाबा मस्तनाथ मठ

तपस्वी मानधातानाथ योगी जी

BABA MASTNATH UNIVERSITY ROHTAK
विधेयम् जन सेवनम्
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
अस्थल बोहर, रोहतक

सादर आमंत्रण

18वीं सदी से चली आ रही परम्परानुसार
सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी की पुण्यस्मृति में लगने वाला

श्रीयुत महंत
श्रेयोनाथ जी महाराज
पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा सरकार

सालाना मेला व भण्डारा

ब्रह्मलीन महंत
चाँदनाथ जी महाराज
पूर्व सांसद, अलवर

दिनांक : 23, 24 व 25 फरवरी, 2026

तदनुसार फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष : सप्तमी, अष्टमी, नवमी (सोमवार, मंगलवार, बुधवार) को मनाया जा रहा है।

इस बहुआयामी आध्यात्मिक मेले में आप सभी सहपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

अतः सभी महानुभाव, साधु-संत, योगी-संन्यासी, माता बहनें, बच्चे-बुजुर्ग
एवं श्रद्धालु, परिजन-पूरजन-स्वजन के साथ पहुँचकर मेले का आनन्द उठाएँ तथा बाबा जी की दिव्य कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करें।

मेले के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

सर्कल कबड्डी
24 फरवरी, 2026

विशाल इनामी कुश्ती दंगल
25 फरवरी, 2026

महंत बालकनाथ योगी
गद्दीनशीन महंत श्री बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर, रोहतक-124021 (हरियाणा)
कुलाधिपति-बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय | विधायक-तिजारा एवं पूर्व सांसद, अलवर व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा (राजस्थान)

खबर संक्षेप

सामाजिक समरसता बिना सभी विकास अधूरे : कृष्ण

जींद। गृह भेषज जल पवन पट पाइ कुजोग सुजोग। होहिं कुबस्तु सुबस्तु जग लखहिं सुलच्छन लोग। अर्थात कि एक साधारण सी वस्तु भी अगर अच्छी संगत में रहे तो वह बहुत ही कल्याणकारी सिद्ध हो सकती है और अगर बुरी संगत में रहे तो वही वस्तु बहुत ही हानिकारक हो सकती है। यही नियम मनुष्यों पर भी लागू होता है कि सत्संग से मनुष्य सुधरता है और कुसंग से बिगड़ता है। ये शब्द मंत्री कृष्ण बेदी ने त्रिपुरा पीठाधीश्वर चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट श्रीश्री 1008 हरिओम जी महाराज जी के सानिध्य में हुड्डा ग्राउंड में चल रहे 108 कुंडीय महायज्ञ की संध्या आरती में शामिल होकर कहे।

अश्लील वीडियो भेजने पर अज्ञात के खिलाफ केस

जींद। महिला के व्हाट्सअप पर रात को अशील वीडियो भेजने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईटी एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शादी का झांसा देकर किया महिला का यौन शोषण

जींद। महिला को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। महिला के गर्भवती होने पर आरोपित शादी से मुकर गया। आरोपित के भाई ने भी पीड़िता को शादी करवाने का आश्वासन दिया लेकिन बाद मे वह भी मुकर गया। दोनों भाइयों ने पीड़िता को बुरा अंजाम भुगतन की धमकी भी दी।

राजीव गांधी कॉलेज में एनएसएस कैंप लगाया

उचाना। राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का आयोजन हुआ। 50 स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का आरंभ प्राचार्य ने एनएसएस गीत से करवाया। प्राचार्य ने विस्तार से एनएसएस के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. राजेश श्योकंद ने नशे की लत से समाज पर पड़ रहे दुष्प्रभाव बारे में व्याख्यान दिया। स्वयं सेवक, सेविकाओं ने संगीत कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

दस वर्ष पुराने आधार कार्ड को अपडेट करवाना जरूरी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करने की तारीख को बढ़ा कर 14 जून 2026 कर दिया है। यह मुफ्त सेवा केवल माय आधार पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को अपना डेमोग्राफिक डाटा, पता, डेट ऑफ बर्थ, मोबाइल नंबर आदि की जरूरत पड़ेगी।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, मामला दर्ज

जींद। गोहाना रोड से संदिग्ध हालात में युवती के गायब होने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गोहाना रोड निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 18 फरवरी को उसका बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा।

पीएमएवाई की किस्त नहीं आने वालों के लिए मौका

उचाना। नपा एरिया उचाना में 2017 में पीएम आवास योजना के तहत फार्म भरने वालों की दूसरी, तीसरी किस्त खाते में नहीं आने वालों के लिए अच्छी खबर है। नपा सचिव अशोक डांगी ने बताया कि नपा एरिया में 2017 में पीएमएवाई के फार्म भरे गए थे। जिनकी दूसरी, तीसरी किस्त बाकी है वो दो-दो दिन के अंदर नपा कार्यालय के कमरा नंबर 10 में कर्मचारियों से मिले ताकि जो कमी उनकी किश्त नहीं आने में आ रही है वो कमी पूरी हो उनको योजना का लाभ मिल सके।

दवा लेने गया सेवानिवृत्त शिक्षक नहीं लौटा

उचाना। घर से दवा लेने के लिए जींद गया कसूहन का सेवानिवृत्त शिक्षक सुरेश चंद्र घर वापिस नहीं आया। पुलिस को सुरेश चंद्र के भाई संजय ने बताया कि 18 फरवरी को भाई सुरेश चंद्र घर से जींद में सफीदो रोड स्थित निजी अस्पताल में दवा लेने के लिए गया।

राहत: दो साल से बंद पड़ा था खराब बूस्टर

नागरिक अस्पताल में खराब पीएसए ऑक्सीजन प्लांट को मिलेगी संजीवनी

बूस्टर लगने के बाद प्लांट से सप्लाई होने वाली ऑक्सीजन से चलेगा वेंटिलेटर

प्लांट की क्षमता एक हजार लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट

कुलदीप संधू ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में नई बिल्डिंग के पास स्थापित किए गए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट को संजीवनी मिलने जा रही है। पिछले दो साल से खराब ऑक्सीजन प्लांट में अब बूस्टर लगाया जाएगा। इस बूस्टर से प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन बूस्ट होगी और इसे पहले से ज्यादा प्रैशर से ऑक्सीजन प्वायंटों तक भेजा जा सकेगा। हालांकि पहले इस पीएसए ऑक्सीजन प्लांट से वेंटिलेटर नही चलाया जा सकता था। अब बूस्टर लगने के बाद इस प्लांट से वंटिलेटर भी चलेगा। बूस्टर लगाने को लेकर एयर रोक्स कंपनी के इंजीनियरों ने प्लांट का निरीक्षण किया है। अब जल्द ही बूस्टर लगने की प्रक्रिया शुरू होगी। वर्ष 2021 में स्थापित हुआ था पीएसए ऑक्सीजन प्लांट : कोरोना की लहर थी तब ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा आवश्यकता महसूस हुई थी। अस्पताल में वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री केयर फंड से ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया था। कुछ समय तक प्लांट ने ठीक से काम किया लेकिन पिछले पौन दो साल से यह खराब है। इस ऑक्सीजन प्लांट की सर्विस होनी है लेकिन स्वास्थ्य विभाग के पास बजट नही है। अस्पताल में वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री केयर फंड से ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य निदेशालय से बजट की मांग की है लेकिन बजट मिल नही पा रहा है।

जींद। नागरिक अस्पताल में नई बिल्डिंग के पास बना ऑक्सीजन प्लांट, जिस पर ताले लगे हैं। फोटो :हरिभूमि

अब प्लांट में लगेगा बूस्टर

पीएसए ऑक्सीजन प्लांट को रनिंग में लाने के लिए इसकी क्षमता को बढाया जाएगा और बूस्टर लगाया जाएगा। इस बूस्टर से प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन पहले से ज्यादा प्रैशर से पाइपों के माध्यम से ऑक्सीजन प्वायंटों तक पहुंचेगी। जिससे अब वेंटिलेटर तक चल सकेगा। उम्मीद है कि जल्द ही इस प्लांट को शुरू कर अस्पताल में रोगियों की सेवा के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

ऑक्सीजन का प्रेशर बढ़ जाएगा

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि पीएसए ऑक्सीजन प्लांट बूस्टर लगाए जाने की योजना है। इंजीनियरों ने प्लांट को देखा है। यहां बूस्टर लगने के बाद पीएसए ऑक्सीजन प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन का प्रैशर बढ जाएगा। प्लांट शुरू होने से अस्पताल को फायदा होगा।

इमरजेंसी के साथ सौ बेड पर सप्लाई

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल 200 बेड का है। 200 बेड की व्यवस्था नई बिल्डिंग में है लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने आपातकाल के लिए पुरानी बिल्डिंग में भी 100 बेड की व्यवस्था की गई है। पुरानी बिल्डिंग में सामान्य रोगियों को दाखिल करने की सुविधा है। पुरानी बिल्डिंग में ही इमरजेंसी, आइसीयू वार्ड है। इमरजेंसी वार्ड व अन्य पुरानी बिल्डिंग में पीएसए ऑक्सीजन प्लांट से ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। जब यह ऑक्सीजन प्लांट खराब होता है तो सिलिंडरों के माध्यम से ऑक्सीजन की सप्लाई दी जाती है। यहां लगा ऑक्सीजन प्लांट लगभग पौने दो साल से खराब है। जिसके चलते सिलेंडरों से काम चलाया जा रहा है। ऐसे में इमरजेंसी वार्ड में भी ऑक्सीजन सिलिंडरों से काम चलाया जा रहा है।

प्लांट से पुरानी बिल्डिंग को ही जोड़ा

ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता एक हजार लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट है। इतनी अधिक मात्रा में ऑक्सीजन से 300 बेड का अस्पताल चलाया जा सकता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इस ऑक्सीजन प्लांट से पुरानी बिल्डिंग को ही जोड़ा है। यदि पूरे अस्पताल को इससे जोड़ा जाएगा तो यह भरोसे के लायक नहीं है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ऑक्सीजन सिलिंडरों का बैकअप पूरा रखता है। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा बार-बार रिमाइंडर भी भेजे जा रहे हैं लेकिन ऑक्सीजन प्लांट ठीक नही हो पा रहा है। ऐसे में अगर फिर से कोराना जैसी कोई बीमारी आती है तो ऑक्सीजन के लिए अस्पताल फिर से गैस सिलेंडरों पर ही निर्भर होगा।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। फोटो : :हरिभूमि

जींद : जिलेभर के राजकीय स्कूलों में गूंजी अपनी बोली

■ अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर 423 प्राथमिक स्कूलों में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देशानुसार जिले के सभी 423 प्राथमिक विद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस शनिवार को बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिनका उद्देश्य भाषाई विविधता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा बच्चों को उनकी मातृभाषा में सीखने के महत्व से जोडऩा रहा। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि मातृभाषा में शिक्षा ग्रहण करने से बच्चों के शैक्षिक परिणामों में गुणात्मक सुधार होता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में भाषा के प्रति स मान, और अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया । कार्यक्रम की शुरुआत सभी विद्यालयों में सुबह की प्रार्थना सभा से हुई, जहां शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व के बारे में बताया। इसके बाद बाल वाटिका से लेकर कक्षा तीसरी तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न रोचक और शिक्षाप्रद गतिविधियां आयोजित की गईं। बाल वाटिका से कक्षा दूसरी तक के बच्चों ने अपनी मातृभाषा में परिचय दिया, चित्रों का वर्णन किया और लोकगीत व कविताएं प्रस्तुत की। कई बच्चों ने घर पर सुनी दादी-नानी की कहानियां और लोककथाएं अपनी भाषा में सुनाई, जिससे उनके बोलने, सोचने और अभिव्यक्ति के कौशल का विकास हुआ। कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से दैनिक जीवन की परिस्थितियों जैसे घर, स्कूल और बाजार के दृश्यों पर अपनी मातृभाषा में संवाद प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों ने न केवल बच्चों की भाषा दक्षता को निखारा बल्कि उनमें आत्मविश्वास और रचनात्मकता का भी संचार किया।

सबसे बड़ी रैली कर उचाना के लोगों ने बनाया इतिहास

उचाना। भाजपा उचाना मंडल अध्यक्ष सतीश जांगड़ा ने कहा कि उचाना में आयोजित विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में सीएम नायब सिंह सैनी की उचाना विकास रैली उचाना के विकास के मील का पत्थर साबित होगी। 200 करोड़ से अधिक की विकास के कामों की घोषणा की गई। 103 करोड़ से अधिक विकास के कामों के उदघाटन, शिलान्यास सीएम द्वारा किए गए। उचाना के इतिहास में ये सबसे बड़े मैदान में सबसे बड़ी रैली रही। रैली के प्रति लोगों के उत्साह से बात से पता चलता है कि अंत तक लोग सीएम के भाषण को सुनने के लिए डटे रहे। भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। कहा कि आज विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। जो उचाना को खुद का गढ़ मानते थे उस गढ़ को उचाना के मतदाताओं ने तोड़ कर किसान परिवार के बेटे को विधानसभा भेजा है।

सीएम नायब सिंह सैनी के साथ स्वागत के दौरान खड़े मंडल अध्यक्ष सतीश जांगड़ा।

नरवाना। सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विस्तार व्याख्यान

नरवाना। केएम राजकीय कालेज में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर एक दिवसीय विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का मुख्य विषय था जड़ों से जुड़ाव क्यों जरूरी है अपनी भाषा। मातृभाषा ही बच्चों को संस्कार एवं व्यवहार सिखाती है। वह हमें अपनी संस्कृति से जोड़ कर हमारी धरोहर को आगे बढ़ाती है। मुख्य वक्ता ने अपनी मातृभाषा क्यों जरूरी है विषय पर विस्तार से चर्चा करते बताया की मातृभाषा केवल संवाद का साधन नहीं है बल्कि हमारे संस्कारों एसंस्कृति और अस्मिता की संवाहक होती है। मातृभाषा मां और परिवार से सीखी जाती है। जिस भाषा में हम सपने देखते हैं। जिस भाषा में हमारी भावनाएं आकार लेती हैं, जिसके माध्यम से हम अपने परिवेश को समझना शुरू करते हैं जो हमारे मस्तिष्क के विकास की नींव है वही हमारी मातृभाषा होती है।

सूरज प्रथम तो विधि द्वितीय रही

जींद। राजकीय महाविद्यालय के भूगोल विभाग के युवा भूगोल क्लब द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में किया । जिसका विषय क्या एआई भूगोल के क्षेत्र में क्रांति लाएगा या मानव भूगोलवेताओं को अप्रचलित बना देगा। इसमें कालेज के 10 छात्रों ने भाग लिया। डा. विशाल रेढू, मनोज चहल व डा. निशा परूथी ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्रथम स्थान सूरज व विधि द्वितीय स्थान खुशबू व प्रगति तथा तृतीय स्थान गुरदीप व नीरज ने प्राप्त किया। कालेज के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने बताया कि वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिता के द्वारा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। जिससे वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। भूगोल विभागाध्यक्ष विक्रम सिंह, प्रोफेसर कृष्ण कुंडू, रवि कुमार, वरुण कुमार, रीना मलिक तथा रितु ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी विशेष भूमिका निभाई।

जींद। प्रतियोगिता में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

उचाना। सीएम नायब सिंह सैनी के साथ छात्तर मंडल अध्यक्ष श्रवण मांडी।

सीएम ने मांगों को पूरा करने का दिया आश्वासन

उचाना। छात्तर मंडल अध्यक्ष श्रवण मांडी ने कहा कि रैली से पहले जैसे कयास लगाए जा रहे वो पूरे रैली में हुए। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में हुई उचाना विकास रैली में सीएम नायब सिंह सैनी ने जो वित्त मंत्री भी है उचाना के विकास को लेकर तिजोरी खोलने का काम किया। किसानों की वर्षों पुरानी ढाकल हैड से रजबाहा की मांग को मानते हुए इसके निर्माण को लेकर कमेटी बनाने की घोषणा की। करसिंधु गांव को महाग्राम का दर्जा देने, करसिंधु पीएचसी को अपग्रेड करने की घोषणा के साथ-साथ घोघडिया, उचाना खुर्द में पीएचसी केंद्र का भवन सहित अनेकों घोषणाएं की जिनका हलके के लोगों को इंतजार था। कहा कि रैली में उमड़ी भीड़ ने इतिहास बनाने का काम किया। रैली स्थल जिसे सबसे बड़ा मैदान कहा जा रहा था वो भी बारिश के मौसम में लोगों की उमड़ी भीड़ से छोटा नजर आने लगा है।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए छात्राएं। फोटो : :हरिभूमि

ध्यान को लेकर कार्यशाला

जींद। हिंदू कन्या कालेज में मानसिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा समिति द्वारा स्वस्थ मस्तिष्क हेतु ध्यान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारंभ प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता रिहैबिलिटेशन काउंसलिंग ऑफ इंडिया नई दिल्ली के मनोवैज्ञानिक डॉ नरेश जागलान रहे। मुख्य वक्ता डा. नरेश ने छात्राओं को संबोधित करते कहा कि मेडिटेशन से सकारात्मक विचार, क्षमा, करुणा जैसे गुणों का विकास होता है। मेडिटेशन भारतीय संस्कृति में शुरू से ही लोकप्रिय रहा है। मेडिटेशन उन सभी के लिए लाभदायक होता है। जिनका मन अशांत होता है और जो अपने कार्य को ठीक ढंग से नहीं कर पाते हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ ये है कि नकारात्मक विचारों को दूर करता है और इससे सकारात्मक विचार व्यक्ति के मस्तिष्क में आते हैं।

जींद : अंतिम दिन बार एसोसिएशन प्रधान पद के लिए आए 3 नामांकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आगामी 27 फरवरी को होने वाले बार एसो चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन शनिवार को प्रधान पद के लिए तीन उम्मीदवारों अरविंद लाठर, संजीत मलिक और बीरेंद्र श्योकंद ने नामांकन पत्र दाखिल किए। उप प्रधान पद के लिए दो उम्मीदवारों संदीप पाहवा और विरेंद्र सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किए। निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए एडवोकेट दलबीर शर्मा के अनुसार जिला बार एसो के चुनावों में सचिव पद के लिए नवीन बिढान, किरणदीप और सोमबीर ने नामांकन दाखिल किए हैं। संयुक्त सचिव पद के लिए सागर खुराना और संदीप कुमार के बीच आमने.सामने की टक्कर होगी। बार एसो चुनावों में उप प्रधान और संयुक्त सचिव पद के लिए मुकाबला आमने-सामने का होगा। इन दोनों पदों के लिए दो-दो उम्मीदवार ही आमने-सामने होंगे। जबकि प्रधान और सचिव पद के लिए मुकाबला तिकोना होने की पूरी संभावना है। प्रधान और सचिव पद के लिए तीन. तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। जींद जिला बार एसो चुनावों में कुल 1399 वकील मतदाता सूची में हैं। यह 1399 वकील 27 फरवरी को उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। 27 फरवरी को मतदान के तुरंत बाद मतगणना होगी और चुनावी नतीजे जारी किए जाएंगे। जिला बार एसोसिएशन के 27 फरवरी को होने वाले चुनाव में चुनावी दंगल में ताल ठोंकने वाले उम्मीदवारों और उनके समर्थकों ने वोट के लिए अब साथी वकीलों से संपर्क का अभियान तेज कर दिया है। चूंकि इस बार चुनावी प्रक्रिया नामांकन वापस लिए जाने के दिन के बाद महज पांच दिन की रहेगी।

सोमवार को नाम वापस लेने का अंतिम दिन

बेकरी उत्पाद निर्माण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जींद। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के प्रतिभागियों के लिए मूल्य संवर्धित बेकरी उत्पाद निर्माण विषय पर पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डा. धीरज पंघाल ने प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करने से लेकर उसके सफल क्रियान्वयन तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में पारंपरिक कृषि के साथ-साथ मूल्य संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। बेकरी उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह क्षेत्र स्वरोजगार के लिए अत्यंत संभावनाशील है। डा. पंघाल ने प्रशिक्षण के दौरान न केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाई बल्कि समय-समय पर स्वयं उपस्थित रहकर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन भी किया।

यात्रा 53 हलकों में जा चुकी: राजेश

उचाना। सदभाव यात्रा कमेटी सदस्य डॉ. राजेश श्योकंद ने कहा कि कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह द्वारा निकाली जा रही सदभाव यात्रा को लोगों का जन समर्थन मिल रहा है। यात्रा की शुरूआत 5 अक्टूबर से नरवाना हलके के दनौदा से ऐतिहासिक चबूतरे से की थी। यात्रा जैसे आगे बढ़ रही है वैसे लोगों द्वारा दिल से उत्साह के साथ स्वागत किया है। यह पूरी यात्रा बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में चल रही है। चौ. बीरेंद्र सिंह पूरे प्रदेश के नेता है। उनके पुराने एवं नए साथी हर हलके में यात्रा से पहले मीटिंग होती उसमें हिस्सा लेते है। जो भाजपा ने वोटों की राजनीति के चलते जात-पात का जहर प्रदेश में घोलने के साथ भाईचारे को तोडने का काम किया। जो प्रदेश में भाईचारा भाजपा ने तोडने का काम किया उसको दोबारा से कायम करने के लिए सदभाव यात्रा निकाली जा रही है।

वीवी में शहीद कैप्टन पवन की पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित किए

शहीद कै.पवन के बलिदान को किया सलाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में शहीद कैप्टन पवन की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई और मौन रखकर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. राजेश बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नही होती बल्कि उसे कर्म और त्याग से सिद्ध किया जाता है। उनका अदम्य साहस, अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा हर युवा के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में युवाओं के सामने अनेक चुनौतियां हैं। परंतु यदि वे शहीदों के जीवन मूल्यों को अपनाएं, जैसे ईमानदारी, समर्पण, परिश्रम और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखनाकृतो वे न केवल अपने परिवार और समाज बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिवार का दायित्व है कि वह विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों की भावना को सुदृढ़ करे। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कुलगुरु के ओएसडी डा. विजय कुमार ने कहा कि शहीदों के बलिदान का पूरा राष्ट्र ऋणी है।

जींद। शहीद कैप्टन पवन को श्रद्धांजलि देते हुए। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कैप्टन पवन खटकड़ ने जिस वीरता, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि जब राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान की बात आती है तो व्यक्तिगत सुख, सुविधाएं छोड़ कर अपना सर्वस्व न्योछावर कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैप्टन पवन खटकड़ का जीवन हमें निस्वार्थ सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। इस अवसर पर कुलगुरु के निजी सचिव सुरेश कुमार, अमित कुमार, डा. अतुल सहारण, राम मोहन, समरजीत कुमार, नवीन मलिक सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जींद। तैयारियों को अंतिम रूप देती महिला विंग। फोटो : :हरिभूमि

ब्रज रसामृत महोत्सव आज से शुरू

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने बताया कि संस्था की महिला विंग द्वारा 22 से 24 फरवरी तक सेवा सदन गांधी नगर में तीन दिवसीय ब्रज रसामृत एवं भव्य होली महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिदिन सायं तीन बजे से छह बजे तक आयोजित होगा। महोत्सव में मथुरा से पधार रहे प्रसिद्ध कथा व्याख्याता अक्षित लाडली शरण ब्रज की होली, राधा कृष्ण लीलाओं एवं भक्तिरस से परिपूर्ण प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करेंगे। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सब भाग ले सकते है। गोयल ने श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर इस भव्य धार्मिक आयोजन का लाभ उठाने का आह्वान किया है। होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय ब्रज रसामृत एवं भव्य होली महोत्सव की तैयारियों को लेकर अखिल भारतीय अग्रवाल समाज जिला जींद की महिला इकाई की बैठक आयोजित की गई।

खबर संक्षेप

भारत विकास परिषद आज लगाएगी शिविर

पूंडरी। भारत विकास परिषद द्वारा रविवार 22 फरवरी को रावल हॉस्पिटल के सहयोग से एक निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने के लिए एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शिविर में विभिन्न रोगों की जांच, परामर्श और आवश्यक दवाइयों का निशुल्क वितरण किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को लाभ मिल सके। परिषद पदाधिकारियों ने सभी नागरिकों से शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच का आह्वान किया।

राजौंद स्कूल में लगा एनएसएस कैंप

राजौंद। शहीद सियाराम गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। प्राचार्य विजेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों को समाजसेवा के कार्यों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने बुजुर्गों की सेवा करने का संदेश भी दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई, पौधों की निराई-गुड़ाई और व्यवस्था संबंधी कार्य किए।

लाठी-डंडों से हमलाकर महिला को किया घायल

कैथल। कैथल के सीवन गेट स्थित बिजली निगम कार्यालय के निकट हुई मारपीट में एक महिला घायल हो गई। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव कुराड की एक महिला ने शहर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 फरवरी को प्रातः जब वह सीवन गेट कैथल की बिजली बोर्ड कार्यालय के निकट से जा रही थी तो जगदीश और कृपाल ने मिलकर उसे पर लाठी और डंडों से मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गए। थाना शहर पुलिस प्रभारी इंस्पेक्टर गीता ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 25 को पाई में: रविंद्र

कैथल। जिंदल फाउंडेशन द्वारा 23 फरवरी को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हल्का गुहला के सीवन के रामा आश्रम और 25 फरवरी को पुंडरी विधानसभा क्षेत्र के पाई गांव के सचिवालय में प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक आयोजित किये जाएंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार यह शिविर पूरे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से आयोजित किए जा रहे, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके।

दोपहर में तेज धूप, सुबह शाम हल्की ठंड ने बदला मौसम का मिजाज

फ्लू और वायरल के मरीजों की ओपीड़ी बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ककैथल

जिलेभर में अब मौसम ने करवट बदली है। पिछले कुछ दिनों तक सुबह और शाम के समय महसूस की जा रही ठंड अब कम होने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे सुबह की ठिठुरन में राहत मिली है। पहले जहां लोग सुबह घर से निकलते समय स्वेटर और जैकेट पहनने को मजबूर थे, वहीं अब हल्के कपड़ों में भी काम चल जा रहा है। मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले लोगों का कहना है कि अब हवा में पहले जैसी सिहरन नहीं है। हल्की ठंडक जरूर है, लेकिन कड़ाके की ठंड से राहत मिलने लगी है। सुबह की ठंड में कमी के साथ ही दोपहर के समय धूप तेज होने लगी है। दोपहर में तापमान बढ़ने से लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है। शनिवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री व न्यूनतम तापमान 13 डिग्री पर पहुंच गया है। मार्च के पहले सप्ताह तक अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि साफ आसमान और तेज धूप के कारण दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दोपहर के समय अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर पहुंचने लगा है, जिससे लोगों को हल्की गर्मी महसूस हो रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में दिन का तापमान और बढ़ सकता है। मौसम में हो रहे इस बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखाई देने लगा है। सुबह-शाम ठंड और दोपहर में गर्मी के कारण कई लोग सर्दी-जुकाम और वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इस संक्रमण काल में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि सुबह हल्की ठंड से बचाव के लिए हल्के ऊनी कपड़े साथ रखें और दोपहर में अधिक धूप से बचें। पानी का पर्याप्त सेवन करें और संतुलित आहार लें। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि तापमान में उतार-चढ़ाव का असर उन पर जल्दी पड़ता है। शहर के पार्कों में भी बच्चे झूलने के लिए खूब पहुंच रहे हैं।

कैथल। जवाहर पार्क में बच्चों को झूला झुलाते उनके अभिभावक फोटो : हरिभूमि

बाजारों में बदला रुख

मौसम के बदलते रुख का असर बाजारों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। जहां कुछ समय पहले गर्म कपड़ों की मांग बढ़ गई थी, वहीं अब उनकी बिक्री में कमी आने लगी है। दुकानदारों का कहना है कि लोग अब हल्के कपड़े खरीदने की ओर रुख कर रहे हैं। दोपहर की बढ़ती गर्मी को देखते हुए जूस का लोग सेवन करने लग गए है। जबकि सूप इत्यादि के काम में कमी आई है। हालांकि सुबह और शाम हल्की ठंडक के कारण पूरी तरह से गर्म कपड़ों का उपयोग बंद नहीं हुआ है।

किसानों के लिए मिलाजुला असर

ग्रामीण क्षेत्रों में भी मौसम का यही हाल है। सुबह की ठंड में कमी आने से किसानों को खेतों में काम करने में सहूलियत मिल रही है। हालांकि कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तापमान में तेजी से वृद्धि होती है तो रबी फसलों पर असर पड़ सकता है। गेहूं और चना जैसी फसलों के लिए मध्यम तापमान लाभकारी होता है, लेकिन अत्यधिक गर्मी फसल की बढ़वार को प्रभावित कर सकती है। इसलिए किसान मौसम के रुख पर नजर बनाए हुए हैं।

आगे कैसा रहेगा मौसम

कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य समन्वयक डा. रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि फिलहाल सुबह की ठंड में और कमी आ सकती है, जबकि दिन का तापमान धीरे-धीरे बढ़ता रहेगा। आने वाले सप्ताह में मौसम शुष्क और साफ रहने की संभावना है। कुल मिलाकर, सुबह ठंड से राहत और दोपहर में बढ़ती गर्मी का यह दौर मौसम के बदलाव का संकेत दे रहा है।

बीमारियों से सावधानी बरतें लोग

एक सप्ताह से शहर में बढ़ रहे इन्फ्लूएंजा के मरीज: अंकिता

कैथल। इन दिनों मौसम बदल गया है और दिन में गर्मी तो रात में सर्दी का सितम है। तेज हवाओं से बढ़ी सर्दी से लोग वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं. दमा, वायरल, खांसी,सर्दी और फ्लू के मामलों में इजाफा हो रहा है। मौसम की इस बदलती करवट के चलते सेहत और स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना अति आवश्यक हो गया है। नागरिक हॉस्पिटल कैथल की जनरल फिजिशियन डॉक्टर अंकिता सांगवान ने बताया कि हैं कि बदलते मौसम में पहाड़ी इलाकों में लगातार भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है। जिसके चलते मैदानी इलाकों में भी ठंडक बढ़ गई है और मौसम बदल रहा है। जिसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। पिछले एक हफ्ते से इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़े हैं। अधिकांश मरीजों में वायरल बुखार, खांसी और सर्दी तथा दमा जैसे लक्षण के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। मौसम बदलने पर वायरल इन्फेक्शन जैसे सर्दी, बुखार, दमा और फ्लू का खतरा बढ़ जाता है। आजकल लोगों को अजीब किस्म की खांसी हो रही है। लोग खांसी के लिए तमाम तरह के एंटीबायोटिक्स ले रहे हैं। सिरप ले रहे हैं, लेकिन खांसी 15 दिनों तक बनी रहती है। ऐसी स्थिति में आराम करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, गर्म पानी के सेवन के साथ स्टीम लेनी चाहिए और सुबह शाम की ठंड में कपड़ों का विशेष रूप से ध्यान रखें।

डॉ.अंकिता सांगवान

शक्ति नगर पहुंची निःशुल्क अस्पताल वैन

- लोगों को दी निःशुल्क दवाइयां और किया फ्री चेकअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला की पहल पर सेवा और समर्पण के तहत शुरू की गई "आदित्य निःशुल्क मोबाइल अस्पताल" वैन गतदिवस कैथल शहर के वार्ड नंबर 20, शक्ति नगर में पहुंची। इस चलते-फिरते अस्पताल में वार्डवासियों को पूरी तरह निःशुल्क चिकित्सा जांच और दवाइयां वितरित की गईं।

सुबह से ही वार्ड 20, शक्ति नगर में लोगों की भारी भीड़ देखी गई। डॉक्टरों की टीम ने सैकड़ों मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर, सामान्य बीमारियां और अन्य जांचें कीं तथा मौके पर ही जरूरी दवाइयां मुफ्त प्रदान कीं। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों ने इस सुविधा की खूब सराहना की। आदित्य सुरजेवाला का धन्यवाद करते हुए अमनदीप, वीरेंद्र मोर, रोशनी देवी, हरप्रीत सिंह, संजय कुमार, मनु राम, प्रेमो देवी, रवि, रीना देवी, पूजा, जीतो, अरमान, ओम प्रकाश, सुरेंद्र, सीमा,काजल, सुलोचना, गीता, जमेरो, हरदेव, दीपाराम, बिमला, खजानी देवी इत्यादि व वार्डवासियों ने कहा कि घर के पास ही इतनी अच्छी सुविधा मिल जाए, इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा के लिए फ्री चेकअप और निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया जा रहा है।

कैथल। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक फोटो : हरिभूमि

लोगों को घर पर ही मिलेगी स्वास्थ्य सेवाएं

विधायक आदित्य सुरजेवाला ने बताया कि यह मोबाइल अस्पताल कैथल हलके के हर गांव और हर वार्ड तक पहुंचेगा ताकि गरीब और जरूरतमंद लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं घर-द्वार पर मिल सकें। हमारा लक्ष्य है कि जरूरतमंदों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं घर के नजदीक ही मिल जाए ताकि वो अपनी स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं की सुविधा ले सकें। हल्के में सभी लोगों स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा।

भगवान शिव के ज्ञान को किया आत्मसात

- कार्यक्रम में लोगों को आध्यात्मिक जागरण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय आश्रम पिलनी द्वारा आयोजित 90वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव समारोह में मार्केट कमेटी पाई के चेयरमैन कृष्ण शर्मा पिलनी ने सहभागिता कर आध्यात्मिक वातावरण का लाभ उठाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव के ज्ञान, आत्मशांति और आत्मजागरण के संदेश को आत्मसात किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि त्रिमूर्ति शिव जयंती केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का महोत्सव है।

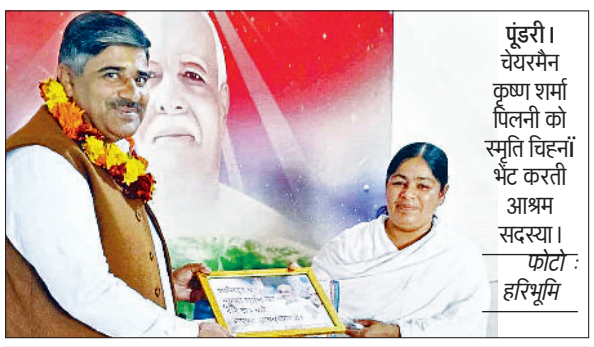

पूंडरी। चेयरमैन कृष्ण शर्मा पिलनी को स्मृति चिह्नों भेंट करती आश्रम सदस्या। फोटो : हरिभूमि

समाज में सकारात्मक ऊर्जा का होता है संचार

ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों को जीवन में संयम, सद्भाव व सेवा की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक मूल्यों की पुनर्स्थापना अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज में भाईचारा और नैतिक चेतना मजबूत हो सके। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा समाज में शांति, सदाचार और आध्यात्मिक शिक्षा के प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह संस्थान मानवता को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहा है। महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान शिव के दिव्य स्वरूप और उनके ज्ञान की महिमा का वर्णन किया गया।

एनएसएस केवल सेवा नहीं, व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम: जिंदल

कलायत। गांव कमालपुर के सरकारी स्कूल की वाटिका में सफाई अभियान चलाते एनएसएस स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

कलायत। गांव कमालपुर के पीएम श्री विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील जिंदल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व समय प्रबंधन, अनुशासन और सकारात्मक सोच के महत्वपूर्ण सूत्र बताए। प्रधानाचार्य ने कहा कि परिश्रम और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को वार्षिक परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुभाष शास्त्री ने कहा कि एनएसएस केवल सेवा नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है। यह विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता का विकास करता है।

गन्ने की खेती का रूझान बढ़ा

- मिल एमडी कृष्ण कुमार ने किया गन्ना फार्म का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सहकारी चीनी मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार ने हाल ही में गांव मोहना के प्रगतिशील किसान रवि वोहरा के गन्ना फार्म का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गन्ने की उन्नत किस्मों और आधुनिक खेती तकनीकों का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान प्रगतिशील किसान रवि वोहरा ने बताया कि उनके फार्म पर 600 क्विंटल प्रति एकड़ गन्ने की पैदावार हुई है, जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। इस शानदार पैदावार से उत्साहित होकर उन्होंने इस बार भी 70 एकड़ भूमि में गन्ने की बीजाई करने का निर्णय लिया है। प्रबंध निदेशक ने फार्म पर गन्ने की उन्नत किस्मों, जैसे सीओ-118 और सीओ-5011 की नर्सरी का बारीकी से निरीक्षण किया। गन्ने की उच्च गुणवत्ता को देखते हुए उन्होंने किसान रवि वोहरा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अन्य किसानों से भी अपील की कि वे पारंपरिक खेती को छोड़कर आधुनिक तकनीक अपनाएं। गन्ने की खेती पर जोर दें ताकि उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। प्रबंध निदेशक ने आश्वासन दिया कि मिल प्रशासन किसानों की हर यथासंभव मदद करेगा।

सहकारी चीनी मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार गांव मोहना में रवि वोहरा के गन्ना फार्म का अवलोकन करते हुए फोटो : हरिभूमि

राजकीय स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को भेंट किए उपहार

कलायत। गांव बाह्मणीवाला में होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते समाज सेवी व शिक्षक वर्ग फोटो : हरिभूमि

कलायत। कलायत के गांव बाह्मणीवाला स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को मेधावी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एनआरआई सुमित कुमार और डा. वेद प्रकाश बिबियान द्वारा होनहारों को आगे बढने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से परिवार के सदस्यों की भांति उपहार दिए। स्वर्गीय पिता साधु राम की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम हुआ। इस दौरान कक्षा 1 से 8 तक के उन मेधावी विद्यार्थियों को पानी बोतल, नोटबुक, पेन व अन्य उपहार भेंट किए गए। इसमें वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल रहे। इसके साथ ही मिशन बुनियाद की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले होनहारों को स्कूल बैग देकर उनकी शैक्षणिक उपलब्धि की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में पंजाब एंड सिंध बैंक अधिकारी प्रेम चंद बिबियान, ईश्वर सिंह, बजरंग सिंह और जंगीरा सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद गर्ग और स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में सुमित कुमार ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी हर साल अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को इसी तरह सम्मानित किया जाएगा ताकि उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़े और वे शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकें। स्कूल स्टाफ ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।

वन्यजीव संरक्षण एवं पक्षी पहचान पर सेमीनार का आयोजन

छात्रों को समझाई 'सिटिजन साइंस' की अवधारणा

"वन्यजीव संरक्षण व पक्षी अवलोकन पारिस्थितिक तंत्र की सततता की ओर एक कदम" पर हुआ विस्तार व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। सेमीनार उपरांत आरकेएसडी कालेज के विद्यार्थी पदाधिकारियों के साथ फोटो : हरिभूमि

प्राणीशास्त्र विभाग, आर.के.एस.डी. कॉलेज, कैथल में "वन्यजीव संरक्षण एवं पक्षी अवलोकन पारिस्थितिक तंत्र की सततता की ओर एक कदम" विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण की तात्कालिक आवश्यकता के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण शिक्षा एवं मानसिक शांति के साधन के रूप में पक्षी अवलोकन की भूमिका को रेखांकित करना था।

प्रधान अश्वनी शोरेवाला ने में कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण अभियानों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे व्याख्यान युवाओं में जागरूकता, संवेदनशीलता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। प्रो. दीपक राय बब्बर ने संकटग्रस्त वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु प्राणीशास्त्रीय अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। द्वितीय वक्ता प्रो. परमेश कुमार ने पक्षी अवलोकन को एक प्रभावी शिक्षण उपकरण बताया, जो विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति गहरा जुड़ाव उत्पन्न करता है तथा धैर्य एवं सूक्ष्म अवलोकन क्षमता का विकास करता है। सत्र के दौरान कोयल, तोता (पैराकीट) एवं सनबर्ड जैसे पक्षियों की पहचान के तरीकों पर मार्गदर्शन दिया गया तथा दूरबीन एवं फील्ड गाइड के उपयोग के माध्यम से 'सिटिजन साइंस' की अवधारणा को समझाया गया।

मूक प्राणियों का संरक्षण करें विद्यार्थी

प्राचार्य डॉ. गगन मित्तल ने व्याख्यान के आरंभ में अतिथि वक्ताओं डॉ. दीपक राय बब्बर तथा डॉ. परमेश कुमार का पौधा भेंट कर अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सृष्टि के प्रत्येक जीव का अपना विशिष्ट महत्व है और प्राणीशास्त्र के विद्यार्थियों का कर्तव्य है कि वे मूक प्राणियों के संरक्षण हेतु संवेदनशील प्रहरी बनें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आज के आमंत्रित वक्ता वन्यजीव संरक्षण एवं पक्षी अध्ययन के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान रखने वाले विशेषज्ञ हैं। प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल जिंदल ने अतिथियों की शैक्षणिक एवं शोध संबंधी उपलब्धियों का छात्रों के सामने विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया।

विधवा महिलाओं को मिल रहा तीन लाख का ऋण

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि विभाग द्वारा विधवा, तलाकशुदा और कानूनी रूप अलग महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से तीन लाख रुपये तक का ऋ ण दिलाया जा रहा है। जिला कैथल के लिए 40 केसों का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत जिन महिलाओं की वार्षिक आय तीन लाख रुपये तक तथा आयु 18 से 60 वर्ष है, इस योजना की पात्र होंगी। इसमें कुल ऋण का 10 प्रतिशत हिस्सा महिला को वहन करना होगा।

बोली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कांगथली (कैथल), विद्यालय रा. प्रा. पाठशाला, कांगथली में 11 सफेदों की पेड़ों की कटाई हेतु बोली दिनांक 28 फरवरी 2026 दिन शनिवार को लगाई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि को प्रातः 10 बजे तक उपस्थित होकर बोली प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

नाम - मनोज कुमार
मोबाइल नं – 9541113548

राजौंद। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आदर्श स्कूल में मोबाइल की लत पर नाटक मंचन

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जाखौली के प्रांगण में मोबाइल की बढ़ती लत पर आधारित एक अत्यंत मार्मिक एवं प्रेरणादायक नाटक का मंचन किया गया। यह प्रस्तुति केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन का आईना बनकर सामने आई। नाटक में दर्शाया गया कि किस प्रकार एक होनहार छात्र धीरे-धीरे मोबाइल की आभासी दुनिया में खो जाता है। पहले खेल का मैदान छूटता है, फिर मित्रों से दूरी बढ़ती है और अंततः किताबें अलमारी में बंद हो जाती हैं। मां की पुकार अनसुनी रह जाती है और पिता की मेहनत अनदेखी। जब परीक्षा परिणाम घोषित होता है और अंक अपेक्षा से कम आते हैं, तब छात्र को अपनी गलती का एहसास होता है। प्राचार्य ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि मोबाइल एक साधन है, लक्ष्य नहीं। यदि विद्यार्थी समय रहते स्वयं को नियंत्रित कर लें, तो यही मोबाइल सफलता की सीढ़ी बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को माता-पिता के त्याग और सपनों को स्मरण रखते हुए समय का सदुपयोग करने की प्रेरणा दी।

खबर संक्षेप

559 ग्राम अफीम सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

कैथल। एंटी नारकोटिक्स सैल द्वारा राजौंद क्षेत्र से एक नशा तस्कर को 559 ग्राम अफीम सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई राजकुमार की अगुवाई में एसआई बलराज सिंह की टीम शाम के समय गश्त दौरान बस अड्डा राजौंद मौजूद थी, जहां एक गुप्त सूचना मिली कि किठाना रोड राजौंद निवासी हरपाल सिंह उर्फ काला काफी समय से नशीला पदार्थ अफीम खाने व बेचने का आदि है। जिसको तुरंत उसके मकान पर रेड करके नशीला पदार्थ अफीम सहित काबू किया जा सकता है।

आभूषण और मोबाइल चोरी का आरोपी पकड़ा

कैथल। थाना शहर क्षेत्र घर में घुसकर चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई करनैल सिंह की टीम द्वारा आरोपी सिरटा रोड कैथल निवासी सचिन को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सिरटा रोड कैथल निवासी अशोक कुमार की शिकायत अनुसार 8 फरवरी की रात करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच एक अज्ञात व्यक्ति, जिसने अपने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था, उनके माता-पिता के घर का जालीदार दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गया।

खेत से केबल चोरी करने में चार आरोपित दबोचे

कैथल। थाना ढांड क्षेत्र में खेत से बिजली केबल चोरी करने के मामले की जांच थाना ढांड एसएचओ इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में एएसआई सिकन्दर की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव भुखापुरी जिला करनाल निवासी अजय उर्फ छोटू, रवि प्रकाश, सोनू व हेमराज उर्फ अमन को काबू कर लिया गया।

हिंदू महासम्मेलन की तैयारियां संपन्न

कैथल। कैथल नगर के सेक्टर 19 में आज रविवार को होने वाले हिंदू महा सम्मेलन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। संयोजक समिति के सदस्यों प्रीतम की अगुवाई में उमेश शर्मा, सुभाष गिल, सत प्रकाश अग्रवाल, गोपाल भट्ट, अशोक अग्नि, महावीर शर्मा, रामपाल राणा, सुल्तान, सुशील, सुरेंद्र द्विवेदी, रमेश, नूतन एवं अशोक भारद्वाज ने तैयारियों का जायजा लिया।

मासूम शर्मा व मुआना के पूर्व सरपंच स्टेज विवाद का मामला

गायक मासूम शर्मा ऑनलाइन या पंचायत में आकर मांगें माफी

माफी नही मांगी तो करेंगे कार्यक्रमों का विरोध, मासूम शर्मा ने जनप्रतिनिधियों के बारे में जो बोला, वह गलतः सुधीर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरपंच। *फोटो: हरिभूमि*

स प्रकार की अभद्रता जनप्रतिनिधि सहन नहीं करेंगे

गायक मासूम शर्मा व गांव मुआना के पूर्व सरपंच राजेंद्र शर्मा के बीच हुए स्टेज विवाद पर जहां सरपंच एसोसिएशन आगे आई है वहीं जींद में सरपंचों ने बैठ कर गायक मासूम शर्मा को पंचायत में आकर माफी मांगने के लिए कहा है। सरपंच एसोसिएशन के जिला प्रधान सुधीर बुआना का कहना है कि यह उनके घर का मामला है, उनको आपस में बैठ कर ही सुलझाना चाहिए। वहीं मासूम शर्मा ने जनप्रतिनिधियों के बारे में जो शब्द कहे हैं, वह गलत है। इस प्रकार की अभद्रता जनप्रतिनिधि सहन नहीं करेंगे। उधर, गांव मुआना में स्टेज विवाद को लेकर पंचायत का आयोजन हुआ। इसके अलावा जिला परिषद वार्ड नंबर 13 के पार्षद करण सिंह के मकान पर भी सरपंच एकत्रित हुए। यहां पत्रकारों से बातचीत में पूर्व सरपंच राजेंद्र शर्मा ने कहा कि सिंगर मासूम शर्मा ने जो सरपंच, मंत्री, विधायकों को लेकर टिप्पणी की है, इस संबंध में गांव मुआना में पंचायत चल रही है और यह हमारे परिवार का मामला है। पंचायत में जो फैसला होगा वो सबको मान्य होगा।

मासूम शर्मा को लाइव आकर या पंचायत में आकर सार्वजनिक माफी मांगनी होगी। अगर ऐसा नही हुआ तो कार्यक्रमों का विरोध किया जाएगा। गांव अलेवा के सरपंच विनोद ढूल ने कहा कि सिंगर मासूम शर्मा ने पूर्व सरपंच राजेंद्र के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। तेरे जैसे 70 सरपंच, एमएलए, मंत्री को कुछ नहीं समझता। यह सरपंच, विधायक, मंत्री की इजाजत को कुछ नही समझते हैं। मासूम शर्मा से यही कहेंगे कि वह गांव में आकर सभी सरपंचों से माफी मांगे।

आंदोलन की चेतावनी

सिंगर मासूम शर्मा विवाद को लेकर सरपंचों ने कहा कि अगर उन्होंने माफी नही मांगी तो हरियाणा के सरपंच इक_ा होकर बड़ा आंदोलन करेंगे और इसका पूरे हरियाणा के अंदर कोई भी प्रोग्राम नहीं होने देंगे। सिंगर मासूम शर्मा फ्रेम के भूखे हैं। कलाकार होने के बाद भी इस कद्र अभद्र भाषा का प्रयोग असहनीय है। उन्हें यह समझ नही है कि चुने हुए प्रतिनिधि की क्या इज्जत होती है। एक गांव में 50 कलाकार हो सकते हैं लेकिन गांव में सरपंच एक ही होता है।

जिला परिषद चुनाव में केवल आए थे 700 वोट

वार्ड नंबर 13 के जिला पार्षद करण सिंह ने कहा कि जितने भी चुने हुए प्रतिनिधि हैं जैसे सरपंच, जिला पार्षद, विधायक, सांसद, सभी गणमान्य होते हैं। मासूम शर्मा ने 2016 में जिला परिषद का चुनाव लड़ा था और उन्हें मात्र 700 के करीब वोट मिले थे। वार्ड नंबर चार कैथल के जिला पार्षद दीपक ने कहा कि यह कलाकार नही कलंकार है। हम उस जैसे साढ़े तीन सौ को नचा सकते हैं। हर कार्यक्रम में वो बदमाशी के गाने गाते हैं। कैथल में आ कर देखें, इन्हें पता चल जाएगा। जिला परिषद चुनाव में केवल 700 वोट आए थे। यह मैम्बर भी नही बन सकता है। वो फिर से चुनाव लड़ कर देख लें। हर बार यह बेइज्जती करता है, जिसे सहन नही किया जाएगा। यह कहते हैं कि वो किसी एमएलए मंत्री को नही जानते जबकि वो सभी जगह सीएम, अभय चौटाला, हुड्डा के पास जाते हैं। हम इसे कुछ भी नही समझते हैं। सिंगर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे। जैसा वो बोलेगा वैसे ही बोलेंगे। वो घमंडी हैं। बार-बार अपमान बर्दाश्त नही होगा। 70 सरपंच को उन्होंने बोला है। इसे सहन नही किया जाएगा। जब तक सिंगर मासूम शर्मा सार्वजनिक पंचायत में आकर माफी नही मांगेंगे तब तक इसे माफ नही किया जाएगा। गांव रूपगढ़ के सरपंच दीपक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जितने भी इलेक्टिड प्रसन हैं, उन सब को इस बात का बहुत बुरा लगा है। जब तक सिंगर मासूम शर्मा पंचायत में आकर माफी नही मांगते तब तक इसका विरोध जारी रहेगा। वह सार्वजनिक माफी मांग लें तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा।

ऐसे व्यक्ति के मंच पर नहीं जाना चाहिएः सुधीर

सरपंच एसोसिएशन के जिला प्रधान सुधीर बुआना ने कहा कि जो व्यक्ति मंत्री, विधायक या सरपंचों को कुछ नहीं समझता हो, उसके मंच पर जाना ही नहीं चाहिए। यह लोग भंडेले होते हैं। पहले भी किसी कार्यक्रम में इनको बुला कर गाने गवाए जाते थे, आज भी ऐसा ही हो रहा है। इनको अपनी जेब भरने से मतलब होता है।

जुलाना। विजेता टीम के साथ मुख्यातिथि व अन्य गणमान्य लोग। *फोटो: हरिभूमि*

बहु अकबरपुर ने नदगढ़ को 24-21 से हराकर दर्ज की जीत

- आज होगा पंजाब व हरियाणा की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ⏭जुलाना

जुलाना क्षेत्र के रामकली गांव में दो दिवसीय सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाडिय़ों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। गांव के खेल मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में पहले दिन कुल 34 टीमों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सुबह से ही दर्शकों की भारी भीड़ मैदान में जुटनी शुरू हो गई थी और दिनभर रोमांचक मुकाबले चलते रहे। प्रतियोगिता के पहले दिन कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता मोहित लाठर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को नशे से दूर रखती हैं और उन्हें अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाने का अवसर देती हैं। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में सिवाहा को मेहरड़ा की टीम ने आठ के मुकाबले 21 अंकों से हराया। कोथ कलां ने शामलों कलां को 10 के मुकाबले 21 अंकों से शिकस्त दी। अहर ने कुम्भा को सात के मुकाबले 21 अंकों से पराजित किया। मोरखी ने भावड़ को छह के मुकाबले 21 अंकों से हराया। बहु अकबरपुर और नदगढ़ के बीच हुए मुकाबले में बहु अकबरपुर ने 24-21 से जीत दर्ज की। वहीं गंगोली और मोरखी के बीच कांटे की टक्कर में मोरखी ने 23-22 से जीत हासिल की।

ये रहे मौजूद

गांव के सरपंच रामतीर्थ मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि दूसरे दिन हरियाणा और पंजाब की टीमों के बीच विशेष मुकाबला आकर्षण का केंद्र रहेगा। जिसका खेल प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार है। इस अवसर पर समाजसेवी आनंद लाठर, बिजेंद्र मलिक, जितेंद्र शर्मा, नरेश पहलवान, गोविंद यादव, सतीश मलिक, शक्ति मोर, रामनिवास अहलावत, राजा नंबरदार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग

- श्रद्धालुओं एवं आमजन को लाभ पहुंचाने के लिए सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

उचाना। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को दिया गया मांग पत्र दिखाते हुए लोग।

विभिन्न गांव के सरपंचों एवं लोगों के हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को उचाना रेलवे स्टेशन पर विभिन्न ट्रेनों के ठहराव को लेकर सौंपा गया। रामदिया, बिंटू, कृष्ण, सुनील ने कहा कि उचाना के रेलवे स्टेशन पर भी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं होने के चलते यात्रियों के साथ-साथ बनभौरी स्थित माता भ्रामरी धाम, काकड़ोद गांव के बाबा जीतगर मंदिर में पूजा-अर्चना को जाने वाले भगतों के साथ आमजन को परेशानी होती है। श्री गंगानगर इंटर सिटी एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 12481/82, भटिंडा सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 15909/10, अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 20409, 10 एवं फिरोजपुर कैंट एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 14027, 28 का उचाना रेले स्टेशन पर ठहराव को लेकर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को मांग पत्र सौंपा है। रेलवे मंत्री , रेलवे उच्चाधिकारियों से मुलाकात कर इन ट्रेनों के ठहराव की मांग की है ताकि श्रद्धालुओं एवं आमजन को एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव उचाना रेलवे स्टेशन पर होने से फायदा हो। विधायक ने कहा कि जो ट्रेनों के ठहराव को लेकर मांग पत्र दिया है हरसंभव प्रयास रहेगा उन ट्रेनों का ठहराव उचाना रेलवे स्टेशन पर हो।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका कांग्रेस का पुतला

- कांग्रेस पार्टी की जनविरोधी और राष्ट्रविरोधी नीतियों को लेकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। कांग्रेस का पुतला फूंकते हुए कार्यकर्ता। *फोटो: हरिभूमि*

भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को रानी तालाब के पास कांग्रेस पार्टी की जनविरोधी और राष्ट्रविरोधी नीतियों के विरोध में पुतला फूंका। कार्यक्रम में भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर कांग्रेस की कार्यशैली के खिलाफ रोष प्रकट किया। पुतला दहन से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधि करते हुए भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप सजुमा ने कहा कि देश की जनता आज कांग्रेस का वास्तविक चरित्र देख रही है। संसद से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे एआई समिट तक कांग्रेस का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण और गैर जिम्मेदाराना रहा है। संसद जो लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, वहां कांग्रेस द्वारा बार-बार हंगामा, व्यवधान और निराधार आरोपों के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह व्यवहार न केवल संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है बल्कि देश की छवि को भी आघात पहुंचाता है। एआई समिट जैसे वैश्विक मंचों पर जहां भारत तकनीकी प्रगति और नवाचार के क्षेत्र में विश्व नेतृत्व की ओर अग्रसर है वहां भी कांग्रेस द्वारा देश की उपलब्धियों को कम तर आंकने की मानसिकता दिखाई देती है।

ये रहे मौजूद

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष डा. नवीन शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का दोहरा चरित्र अब जनता के सामने उजागर हो चुका है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष गौरव भारद्वाज ने कहा कि देश की जनता विकास, स्थिरता राष्ट्रहित और विकास की राजनीति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर करते रहेंगे। बाद में सभी कार्यकर्ताओं ने रानी तालाब चौक पर कांग्रेस का पुतला फूंका। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन बबलू गोयल, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नवीन योगी, बंटी दालमवाला, साधूराम, विकास श्योकंद, बलराज पांचाल आदि रहे।

भय के साए में जी रही जनता : बजरंग गर्ग

- हरियाणा प्रदेश अपराध के मामले में देशभर में अव्वल स्थान पर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग व्यापारी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में व्यापारी, उद्योगपति व आम जनता भय के साए में जी रहे हैं।

हरियाणा में अपराधियों द्वारा हर रोज लूटपाट, हत्या व फिरौती की वारदातें करने से व्यापारी चिंतित है। हरियाणा प्रदेश अपराध के मामले में देशभर में अव्वल स्थान पर है। पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग नरवाना के सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के उपरांत व्यापारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में अपराध बढऩे का मुख्य कारण प्रदेश में बेहताशा बेरोजगारी है। बेरोजगारी के कारण युवा पीढ़ी नशे के दलदल में धस्ती जा रही है। नशे के कारण युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। आज हरियाणा में नशे का व्यापार फल फूल रहा है। यहां तक की नशा कॉलेज के बाहर बिक रहा है। सरकार को नशे पर रोक लगाने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने की जरूरत है ताकि युवा पीढ़ी को नशे से बचाया जा सके। इस अवसर पर व्यापार मंडल प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र गुप्ता, संरक्षक कैलाश सिंगला, प्रदेश सचिव रमेश गर्ग, महासचिव अनिल आर्य, युवा प्रधान मुकेश गोयल, अनाज मंडी पूर्व प्रधान जियालाल गोयल, राजेंद्र बंसल आदि मौजूद रहे।

यह है आरोप

बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को व्यापारी, उद्योगपति व आम जनता की जान माल की सुरक्षा के लिए पुख्ता प्रबंध करने चाहिए। सरकार को अपराध को खत्म करने के लिए अपराधियों का पक्का इलाज करने की जरूरत है। जो अपराधी हथियार के बल पर व्यापारियों को नाजायज तंग करके फिरौती मांग रहे हैं, सरकार को उनका इलाज उसी हिसाब से करना चाहिए। सरकार को अपराधियों का पक्का इलाज करने के लिए पुलिस प्रशासन को खुली छूट देनी चाहिए ताकि कोई भी अपराधी हरियाणा में अपराध करने की हिम्मत ही ना कर सके। हरियाणा में अपराध बढऩे के कारण प्रदेश में लगातार व्यापार व उद्योग पिछड़ता जा रहा है।

कलायत क्षेत्र से कॉलेज गईं दो छात्राएं लापता

- कालेज जाने के बाद वापस घर नहीं लौटी छात्राएं

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

कलायत थाना क्षेत्र से कॉलेज की दो छात्राओं के अपहरण का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार दोनों छात्राएं 19 फरवरी को घर से कॉलेज के लिए निकली थीं। वे वापस घर नहीं लौटी। अपने स्तर पर तलाश करते हुए परिवार ने पुलिस को सूचना दी। परिवार का कहना है कि अंतिम बार जिस मोबाइल नंबर से छात्राओं का संपर्क हुआ था वह नंबर और कुछअन्य संदिग्ध मोबाइल नंबर पुलिस को उपलब्ध करवा दिए गए हैं। साथ ही घटना से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी जांच एजेंसियों के साथ साझा की गई हैं। इसके बावजूद छात्राओं का कोई पता नहीं चल सका है। जिससे परिवार गहरे सदमे और चिंता में है। छात्राओं का सुराग न मिलने पर परिजनों ने जिला पुलिस अधीक्षक और महिला आयोग से बेटियों को सकुशल घर पहुंचाने की गुहार लगाई है। परिवार का आरोप है कि ठोस कार्रवाई के लिए वे कई बार थाने के चक्कर लगा चुके हैं लेकिन अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई। शनिवार को भी परिवार के सदस्य दोपहर करीब 2 बजे तक थाना परिसर में कार्रवाई की मांग को लेकर मौजूद रहे। उपरांत पुलिस टीम परिवार के सदस्यों के साथ संभावित स्थानों पर तलाश के लिए रवाना हुई।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

थाना प्रबंधक बलबीर सिंह ने बताया कि मामले में कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर छात्राओं की तलाश में जुटी है। उस सारे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है जिससे छात्राओं को तलाशा जा सके।

महिला आयोग के संज्ञान में पहुंचा मामला

महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणू भाटिया ने बताया कि कलायत से दो छात्राओं के अहपरण का मामला संज्ञान में आया है। इस पर तुरंत प्रभाव से संज्ञान लिया गया है। पुलिस अधिकारियों से संपर्क साधते हुए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने छात्राओं को जल्द तलाशने का आश्वासन दिया है।

तालाब के पास गंदगी का अंबार

- मोहल्लेवासियों का जीना हुआ दूभर, बीमारियों का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

राजौंद। गांव सेरधा के तालाब में पड़ी गंदगी का दृश्य। *फोटो: हरिभूमि*

खंड के गांव सेरधा में बिगो पट्टी तालाब से सटे मोहल्ले में फैली गंदगी और कूड़े के ढेरों के कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। मोहल्ले के पास स्थित तालाब में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है,जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कूड़े के ढेर लंबे समय से नहीं उठाए गए हैं। गंदगी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों फैलने का खतरा भी बना हुआ है।

अफसरों से की कई बार शिकायत

ग्रामीणों ने बताया कि वे इस समस्या को लेकर कई बार गांव के सरपंच और संबंधित अधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मोहल्ला वासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द कूड़े के ढेरों को हटवाया जाए और तालाब में गंदे पानी की निकासी का स्थायी समाधान किया जाए ताकि उन्हें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

बैठक सर्वसम्मति से किया गया प्रधान एवं कार्यकारिणी का गठन

सर्व जातीय दाडन खाप के प्रधान बने सुंदरपुरा के रणधीर श्योकंद, संगठन की मजबूती का भरोसा

- रणधीर श्योकंद सुंदरपुरा निरंतर गौशाला में गायों की सेवा कर रहे हैं जो सरहानीय है।

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

उचाना। सर्व जातीय दाडन खाप के प्रधान बने रणधीर श्योकंद सुंदरपुरा खाप के लोगों के साथ। *फोटो: हरिभूमि*

सर्व जातीय दाडन खाप चबूतरा पालवां पर खाप की मीटिंग हुई। मीटिंग में खाप के गांवों से लोग पहुंचे। अध्यक्षता प्रधान सूरजभान घसो ने की। मीटिंग का आयोजन प्रधान एवं कार्यकारिणी चुनने के लिए किया गया। प्रधान एवं कार्यकारिणी चुनने की कार्यवाही कृष्ण उचाना खुर्द, राजेश नंबरदार मखंड, रामधन पूर्व सरपंच घसो, प्रेम झील, जिले सिंह पालवां की देखरेख में हुआ। खाप के गांवों से आए लोगों से विचार-विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से सुंदरपुरा के रणधीर श्योकंद को प्रधान चुना गया। डूमरखा कलां के कृष्ण, मंगलपुर के महावीर, छैन के रामभगत, जाजनपुर के जवाहरमल, मखंड के पं. पंकज, घसो खुर्द के सोनू सरपंच को उप प्रधान चुना गया।

नशे पर रहेगी सख्ती

प्रधान रणधीर श्योकंद सुंदरपुरा ने कहा कि जो जिम्मेदारी सर्वसम्मति से सौंपी गई है उसके लिए वो खाप के सभी गांव के आभारी है। निष्ठा से इस जिम्मेदारी को निभाने का काम करेंगे। खाप, पंचायतों की जो गरिमा है उसको बढ़ाने का काम करेंगे। सबसे पहला कार्य जो नशा के खिलाफ युवाओं को जागरूक किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

अंतर राष्ट्रीय जाट धर्मशाला कुरूक्षेत्र के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद ने कहा कि दाडन खाप की गरिमा को बढ़ाने का काम नवनियुक्त प्रधान करेंगे ये पूरी उम्मीद उनसे है। रणधीर श्योकंद सुंदरपुरा निरंतर गौशाला में गायों की सेवा कर रहे है। वो निरंतर समाज सेवा से जुड़े हुए है। जो जिम्मेदारी उन्हें मिली है वो उनके सेवभाव, आमजन से जुड़ाव के चलते मिली है। इस मौके पर दलबीर श्योकंद, ईश्वर श्योकंद, रामफल, वेदा, महेंद्र, संदीप, दलवीर, अतिम श्योकंद, कृष्ण सफा खेड़ी, अजमेर, जुगमिंद्र आदि रहे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 22 फरवरी 2026

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर

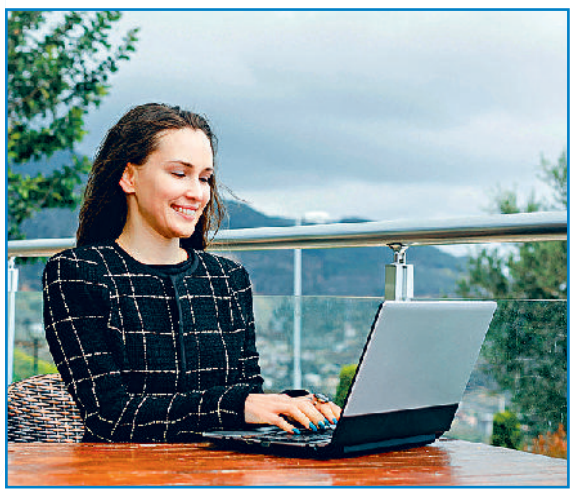

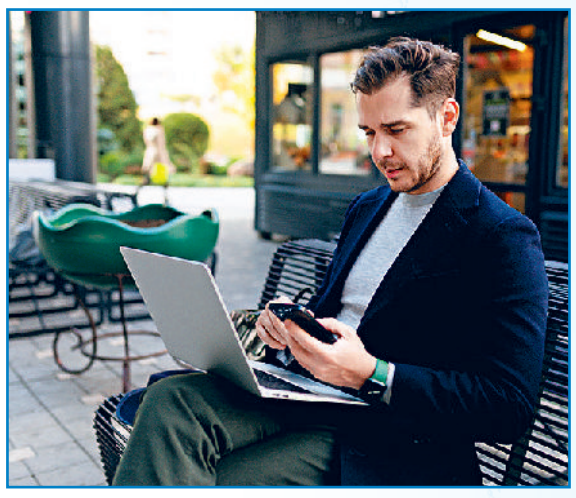

{ कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर }

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम: काम की इस अवधारणा का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने के लिए लगाते हैं।

मौजूद हैं कुछ चुनौतियां: इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

{ गजल / हबीब कैफी }

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

{ व्यंग्य / महेश कुमार केशरी }

प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से

करते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

{ लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल }

डुबकी

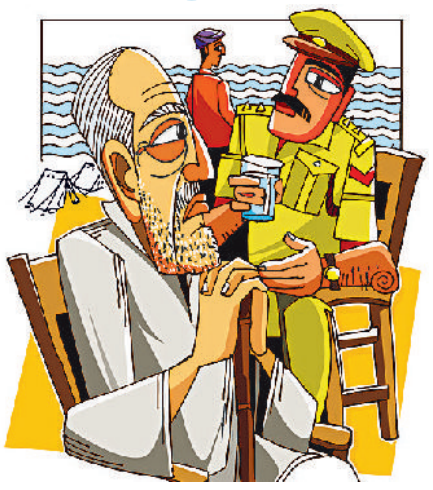

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

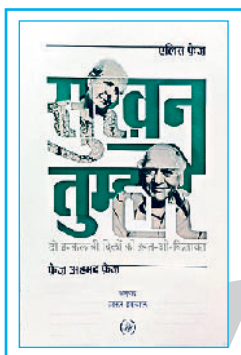

पुस्तक: सुखन तुम्हारे, लेखक: फैज अहमद फैज-एलिस फैज, अनुवाद: जफर इकबाल, मूल्य: 550 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

मध्य प्रदेश का प्राणपुर गांव

तमिलनाडु स्थित औरोविले गांव

वैसे तो पर्यटन के लिहाज से अपने भारत देश में अलग-अलग तरह के बेशुमार स्थल मौजूद हैं। लेकिन अगर आप बिल्कुल अनोखे और सुकून भरे पर्यटन स्थल घूमना चाहते हैं तो आपको कुछ विशिष्ट पर्यटन गांवों का रुख करना चाहिए। यहां बता रहे हैं देश के कुछ ऐसे खूबसूरत गांवों के बारे में, जो आपके लिए परफेक्ट ग्राम्य-पर्यटन स्थल हो सकते हैं।

गांवों में मिलेगी सुकून की छांव

टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी

आमतौर पर माना जाता है कि गांवों में सुविधाओं की कमी होती है। इसीलिए शहर के लोग वहां जाना पसंद नहीं करते हैं। लेकिन आपको जानकर अच्छा लगेगा कि कुछ प्रदेशों के चुने हुए गांवों को विशिष्ट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। जहां आप आधुनिकता और शहरी शोर-शराबे से दूर शांत, स्वच्छ और सुकून भरा अनुभव पा सकते हैं। लद्दाख की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़ के जंगलों से लेकर, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश तक में कई ऐसे गांव हैं, जो विरासत और प्रकृति को सुरक्षित रखे हुए हैं। अपनी इसी विशेषता के कारण यह उन पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिनकी ग्रामीण जीवनशैली, संस्कृति व इतिहास में दिलचस्पी होती है। ऐसे ही कुछ गांवों के बारे में जानिए।

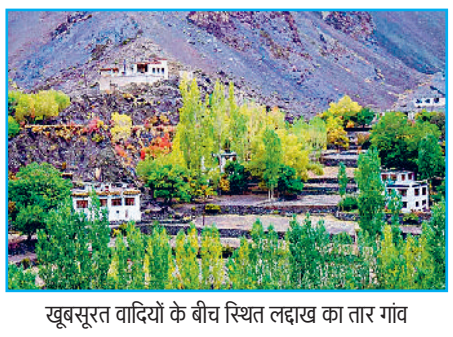
खूबसूरत वादियों के बीच स्थित लद्दाख का तार गांव

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित धुडमारास गांव

सावरवानी-लाड़पुरा खास-प्राणपुर, मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के ये तीन गांव आपको ग्रामीण भारत की सुंदर छवियों से रूबरू कराते हैं। प्राणपुर, सावरवानी व लाड़पुरा खास गांवों को वर्ष 2024 में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। सावरवानी, आपको गोंड आदिवासी जीवन का अनुभव कराता है। यहां आरामदायक होमस्टे और सुंदर फार्मलैंड्स हैं। लाड़पुरा आपको विश्वसनीय बुंदेली एहसास से आकर्षित करता है। यहां के परंपरागत घर व हाथ से पेंट की गईं खूबसूरत दीवारें पर्यटकों को मोहित करती हैं। प्राणपुर, भारत का पहला क्राफ्ट हैंडलूम पर्यटन गांव है, जहां लगभग 900 बुनकर हैं, जो चंदेरी कपड़ा बुनने की कला में माहिर हैं। इन गांवों में आप क्राफ्ट वर्कशॉप्स, फॉरेस्ट वॉक, साइकिलिंग ट्रेल्स और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश का कारिकोट गांव

ग्वालियर एयरपोर्ट से प्राणपुर 240 किमी. और लाड़पुरा खास 123 किमी. की दूरी पर है, जबकि जबलपुर से सावरवानी की दूरी 220 किमी. है।

तार गांव, लद्दाख: लद्दाख क्षेत्र में इस गांव को पहला सीसीए (कम्युनिटी-डिक्लेयर्ड कंजरवेशन एरिया) घोषित किया गया। लद्दाख का यह खूबसूरत गांव भी पर्यटन मंत्रालय की भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव की 2024 की सूची में शामिल हो चुका है। इसके संरक्षित क्षेत्र का प्रबंधन स्थानीय समितियां करती हैं, जोकि अपने प्राकृतिक संसाधनों, संस्कृति व परंपराओं को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभाती हैं। इनके पास समुदाय की निगरानी वाला पर्यटन, शून्य-प्लास्टिक अभियान और लद्दाखी सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण का भी दायित्व है। यहां आप ऊंचाई पर ट्रैकिंग, प्राचीन मठों को देख सकते हैं और ईको-होमस्टे में ठहर सकते हैं। यहां आने के लिए निकटतम एयरपोर्ट लेह है, जहां से तार लगभग 85 किमी. के फासले पर है।

कारिकोट गांव, उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में स्थित कारिकोट गांव को इंडियन सब-कॉन्टिनेंट रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवार्ड 2025 (पीस, अंडरस्टैंडिंग एंड इन्क्लूसिविटी) से सम्मानित किया जा चुका है। स्थानीय थारू आदिवासी समुदाय के प्रयासों से इस गांव में होमस्टे, क्रॉस-बॉर्डर ईको-टूरिज्म व सांस्कृतिक अनुभव को प्रोत्साहित करने के साथ ही देशज क्राफ्ट, खान-पान व लोककला को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे यह गांव थारू विरासत का लाइव म्यूजियम बन गया है। आप यहां खासतौर से विलेज वॉक, स्थानीय खान-पान, हस्तकला ट्रेल, झील के किनारे पक्षियों को देखने के साथ ही स्थानीय कहानी सुनाने के आयोजनों का अनुभव कर सकते हैं। इससे निकटतम एयरपोर्ट लखनऊ है, जहां से यह गांव लगभग 200 किमी. दूर है।

औरोविले गांव, तमिलनाडु-पुडुचेरी: औरोविले गांव वैसे तो तमिलनाडु में है, लेकिन इसका कुछ हिस्सा पुडुचेरी में भी है। यह भारत में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय टाउनशिप है, जिसे यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसकी भूमि एक जमाने में कटाव के कारण बेकार हो गई थी, लेकिन अब दशकों के वनीकरण, ईको-आर्किटेक्चर और वेस्ट-फ्री सिस्टम से फिर हरी-भरी हो गई है। यहां पर आप मैत्री मंदिर देख सकते हैं। इसके अलावा सस्टेनेबल-लिविंग वर्कशॉप, पॉटरी, वीविंग और योग सत्र में हिस्सा लेने के साथ ही 3,000 एकड़ में फिर से लगाए गए वन में साइकिलिंग का रोमांचक अनुभव ले सकते हैं। औरोविले गांव चेन्नै एयरपोर्ट से लगभग 140 किमी. और पुडुचेरी से तकरीबन 11 किमी. की दूरी पर स्थित है।

धुडमारास गांव, छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में धुर्वा कबीले द्वारा संचालित यह पर्यटन गांव ईको-फ्रेंडली अनुभव प्रदान करता है, जैसे- बैंबू राफ्टिंग, कयाकिंग और ट्रैकिंग। यहां सोलर-पॉवर इंफ्रास्ट्रक्चर है। वन संरक्षण प्रयासों के कारण परंपरागत जल स्त्रोतों को दुरुस्त किया गया है और स्थानीय तौर पर निर्मित होम स्टे भी हैं। इस गांव में आदिवासी संस्कृति, परंपरागत शिल्प व साल वन ट्रेल्स का आनंद लेने के साथ ही लोक संगीत और स्थानीय खेतों से मेज तक जायकेदार भोजन का अनुभव ले सकते हैं। सतत पर्यटन विकास के लिए धुडमारास गांव का चयन यूएनडब्लूटीओ बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम 2024 में किया गया था। यहां से निकटतम एयरपोर्ट जगदलपुर है, जहां से यह गांव लगभग 35 किमी. के फासले पर है। *

भय को जब करेंगे पराजित तब मिलेगी मनचाही सफलता

कई बार हमारे भीतर कुछ ऐसे डर समा जाते हैं, जो सफलता और खुशहाल जीवन की राह में बड़ी रुकावट बन जाते हैं। कौन से हैं ये डर और इनसे कैसे निपटा जाए, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जरूर जानना चाहिए।

सेल्फ मोटिवेशन / शिखर चंद जैन

डर सफलता की राह में सबसे बड़ी अड़चन होती है। 'जो डर गया समझो मर गया', 'डर के आगे जीत है।' ये कुछ पॉपुलर कोटेशंस या फिल्मी डायलॉग हैं, जिन्हें आपने कहीं न कहीं पढ़ा या सुना होगा। सवाल है कि आखिर ये कौन से डर हैं, जिनसे उबरना जरूरी है और इनसे कैसे उबरें, ताकि आप सफल, समृद्ध जीवन की ओर बढ़ सकें।

पैसे न होने का डर: अमीर हो या मध्य वर्ग के लोग, पैसों की कमी होने से सब डरते हैं। मध्य और निम्न वर्ग को और ज्यादा गरीब होने का डर सताता है। पैसे की कमी का डर व्यक्ति की महत्वाकांक्षाओं, जोखिम लेने की क्षमता और हिम्मत को खत्म कर देता है। सबसे पहले निर्णय की शक्ति का उपयोग करके इस डर को दूर करें। अपनी चेतना को हमेशा धन की कमी से हटाकर धन की अधिकता पर केंद्रित करें। धन कमाने के तरीकों के बारे में सोचें, न कि गरीबी के परिणामों के बारे में। अपनी आय बढ़ाने का एक स्पष्ट और लिखित लक्ष्य और योजना बनाएं। जब आपके पास काम करने की एक ठोस योजना होती है, तो डर की जगह आत्मविश्वास ले लेता है। हमेशा यह सोचें कि आपकी आंतरिक खुशी भौतिक संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही पूरी मेहनत से धन कमाने के अपने प्रयास जारी रखें।

आलोचना का डर: यह डर अकसर लोगों को नए विचार आजमाने, जोखिम लेने या अपने सपनों का पीछा करने से रोकता है, क्योंकि उन्हें लगता है कि दूसरे लोग क्या सोचेंगे या कहेंगे? इस डर को दूर करने का आसान तरीका यही है कि दूसरों की राय की परवाह न करें। लोग अकसर आपकी आलोचना इसलिए करते हैं, क्योंकि या तो वे खुद डरे हुए होते हैं या फिर आपसे ईर्ष्या करते हैं। अपने कार्यों और निर्णयों के लिए खुद को जवाबदेह बनाएं। आत्म-अनुशासन आपको बाहरी आलोचनाओं से प्रभावित हुए बिना अपने लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है। आलोचना का डर आपकी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को खत्म कर देता है। इसलिए खुद को रचनात्मक कार्यों में लगाएं।

बीमारी-मृत्यु का डर: यह डर अकसर किसी क्रॉनिक बीमारी या नियमित शारीरिक दर्द से उत्पन्न होता है। कई बार किसी नजदीकी की बीमारी देखकर भी ऐसा होता है। यह डर अकसर मानसिक तनाव पैदा करता है। इसे दूर करने के लिए बीमारी के बारे में लगातार सोचना या बात करना बंद करें। अपने मन को सकारात्मक और स्वस्थ विचारों से भरें। स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाएं। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी दिमागी शक्ति का उपयोग करें। यह विश्वास करें कि एक स्वस्थ दिमाग एक स्वस्थ शरीर का निर्माण करता है। अपनी मानसिक ऊर्जा को ठीक होने या स्वस्थ रहने में लगाएं, न कि बीमार पड़ने के डर में।

रिश्ते खोने का डर: यह डर किसी प्रियजन, जीवनसाथी या परिवार के सदस्य से बिछड़ने या उन्हें खोने के भय से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए आत्म-प्रेम और आत्मविश्वास बढ़ाएं। जब आप खुद से प्यार करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं, तो आप दूसरों पर भावनात्मक निर्भरता कम कर देते हैं। ईर्ष्या इस डर का सबसे बड़ा संकेत है। तर्कसंगत रूप से अपनी असुरक्षाओं को पहचानें और उन्हें तर्क से दूर करें। यह समझें कि आप किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। रिश्ते विश्वास और आपसी सम्मान पर टिके होते हैं, डर पर नहीं।

बुढ़ापे का डर: यह डर अकसर उम्र बढ़ने के साथ आने वाली शारीरिक कमजोरी, शारीरिक आकर्षण में कमी, आर्थिक अभाव और मृत्यु की संभावना से जुड़ा होता है। इसे दूर करने के लिए बुढ़ापे को अनुभव और ज्ञान के रूप में देखें। उम्र बढ़ने को कमजोरी के रूप में नहीं, बुद्धिमत्ता के संचय के रूप में स्वीकार करें। शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रहकर इस डर का मुकाबला करें। नए कौशल सीखें और जीवन में उत्साह बनाए रखें। अपनी आर्थिक सुरक्षा शुरू से ही सुनिश्चित करें। वित्तीय योजना बनाकर बुढ़ापे में संभावित गरीबी के डर को कम करें।

इनमें से कोई डर हो या कोई अन्य प्रकार का डर, सभी डरों को दूर करने का मूल मंत्र 'इच्छाशक्ति' और 'सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण' है। इन दो मूल मंत्रों को अपनाकर आप भयमुक्त खुशहाल जीवन जी सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम और महानतम नदियों- गंगा, नर्मदा की तरह ही ताप्ती नदी का भी भारतीय संस्कृति, भूगोल एवं अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान है। ताप्ती नदी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आप इस नदी की महत्ता को और भी अच्छे से जान-समझ पाएंगे।

गंगा-नर्मदा जैसी महत्वपूर्ण पश्चिमवाहिनी ताप्ती नदी

नदी गाथा / वीना गौतम

ताप्ती जिसे तापी नदी भी कहते हैं, भारत की उन चुनिंदा बड़ी पश्चिम वाहिनी नदियों में से है, जो मध्य भारत से निकलकर अरब सागर में गिरती है। यह विशेषता इसे गंगा जैसी विशाल पूर्व वाहिनी नदी और नर्मदा जैसी महान पश्चिम वाहिनी नदी के समकक्ष बनाती है। भौगोलिक, आर्थिक, पारिस्थितिक और सांस्कृतिक स्तरों पर इस नदी की भूमिका अत्यंत व्यापक है।

उद्गम-प्रवाह: ताप्ती नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के बेतूल जिले के पास सतपुड़ा पर्वतमाला में है। यहां से लगभग 724 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात से गुजरती यह नदी अंततः अरब सागर में जा मिलती है। यह पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इस नदी की सहायक नदियां इसकी जलराशि को संपन्नता प्रदान करती हैं। ताप्ती की सहायक नदियों में पूर्णा, गिर्णा, वाघुर और अंजली जैसी नदियां शामिल हैं। ताप्ती को गंगा और नर्मदा के समकक्ष महत्वपूर्ण नदी इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह भी इन्हीं की तरह विशाल नदी घाटी प्रणाली बनाती है। ताप्ती नदी का जलभरण क्षेत्र लगभग 65 हजार वर्ग किलोमीटर है।

ताप्ती नदी के तट पर स्थित मंदिर

जहां तक इसके बहाव की गति की बात है, तो शुष्क मौसम में इसका बहाव 0.3 से 0.6 मीटर प्रतिसेकेंड होता है, जबकि मानसून के दौरान ताप्ती नदी का बहाव 1.5 से 3 मीटर प्रति सेकेंड तक पहुंच जाता है। ताप्ती का औसत वार्षिक प्रवाह 17 से 18 बिलियन घन मीटर आंका गया है। इसका अधिकांश भाग जून से सितंबर यानी मानसून के दौरान प्राप्त होता है। ताप्ती नदी की वर्षा पर निर्भरता करीब 75 फीसदी है और शेष 25 फीसदी जलराशि इसके भूजल, पुनर्भरण और सहायक नदियों के जरिए प्राप्त होता है।

संस्कृति की वाहक: जिस तरह गंगा नदी-घाटी में प्राचीन सभ्यताएं विकसित हुईं, वैसे ही ताप्ती घाटी में भी आदिवासी समाज, कृषि संस्कृतियां और व्यापारिक नगर विकसित हुए। गंगा और नर्मदा की तरह ताप्ती को भी अनेक स्थानों में पवित्र नदी का दर्जा प्राप्त है और इसके किनारे मेले और पवित्र स्नानों से संबंधित पर्व आयोजित किए जाते हैं। देश की दूसरी पवित्र नदियों की तरह ताप्ती के तट पर भी अनेक महत्वपूर्ण मंदिर स्थित हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान: चूंकि ताप्ती पश्चिम वाहिनी नदी है, इसलिए इसमें ढाल अपेक्षाकृत ज्यादा है। यही कारण है कि इसका प्रवाह पूर्वगामी नदियों के मुकाबले ज्यादा है, जिससे जल विद्युत उत्पादन के लिए ताप्ती महत्वपूर्ण नदी मानी जाती है। इसके पानी का उपयोग सिंचाई के लिए, पेयजल के रूप में, औद्योगिक उपयोग हेतु तथा विद्युत उत्पादन आदि में किया जाता है। ताप्ती नदी की मिट्टी जलोढ़ है, जो अत्यंत उपजाऊ होती है। इस कारण इसके परिक्षेत्र में दोहरी फसल प्रणाली सहजता से संभव है और किसान अपेक्षाकृत कम सिंचाई लागत में खेती कर पाते हैं। ताप्ती बेसिन एक स्वतंत्र और बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है, जो लाखों लोगों की कृषि, पेयजल और औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह गुण ही इसे पश्चिम की नर्मदा और पूर्व की गंगा जैसी नदियों के समकक्ष बनाती है। ताप्ती घाटी कपास, सोयाबीन, गन्ना, केला और विभिन्न तरह की दालों की खेती के लिए जानी जाती है। गंगा की तरह ताप्ती नदी भी कृषि आधारित जीवनरेखा की भूमिका निभाती है। ताप्ती नदी कृषि एवं ग्रामीण रोजगार का भी बड़ा आधार बनाती है।

ताप्ती नदी के किनारे स्थित शहर विशेष रूप से कपड़ा, रसायन, हीरा कटाई और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए प्रसिद्ध हैं। इससे लाखों रोजगार और शहरी विकास को बल मिलता है। इसी नदी के किनारे सूरत जैसा औद्योगिक और व्यापारिक शहर स्थित है।

समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र: ताप्ती नदी में मीठे पानी की अनेक महत्वपूर्ण प्रजातियों की मछलियां पाई जाती हैं, जिनमें रोहू, कतला और मृगल शामिल हैं। सतपुड़ा क्षेत्र से गुजरते समय यह नदी कई वन क्षेत्रों को सिंचित करती है, जिससे वन क्षेत्रों का पारिस्थितिकी तंत्र गतिशील रहता है। ताप्ती नदी के डेल्टा क्षेत्र में पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं और प्रवासी पक्षियों का भी यह आश्रय स्थल बनती है। ताप्ती बेसिन में नदी का पानी आस-पास के जलस्रोतों को भरता है, जिससे कुओं, नलकूपों आदि में पूरे साल जल उपलब्ध रहता है।

मौजूद हैं कई संकट: देश की अन्य बड़ी नदियों की तरह ताप्ती भी कई तरह की औद्योगिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। यह भी औद्योगिक प्रदूषण से ग्रस्त है। इस नदी में भी बड़े पैमाने पर शहरी अपशिष्ट आकर मिलता है तथा इसके आस-पास में भी अवैध रेत खनन आदि की घटनाएं होती रहती हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हाल के कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन और वर्षा की अनिश्चितता की भी यह नदी शिकार हुई है। यही नहीं इस सबके चलते ताप्ती नदी की गुणवत्ता और जैव विविधता दोनों प्रभावित हुई है। ताप्ती नदी पर मंडरा रहे इन संकटों के मद्देनजर इसके संरक्षण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। जैसे अपशिष्ट जलशोधन संयंत्र, नदी किनारे हरित पट्टी का विकास, सामुदायिक जागरुकता और सतत जल प्रबंधन। *

पिछले महीने से सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर एक नया शो शुरू हुआ है- 'व्हील ऑफ फॉर्चून', जिसे होस्ट कर रहे हैं अक्षय कुमार। इस शो को उन्होंने क्यों एक्सेप्ट किया? इस सो, अपकमिंग फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े सवालों पर अक्षय कुमार ने खुलकर जवाब दिए हैं इस खास मुलाकात में।

जो आपकी तकदीर में है वह जरूर आपके पास आएगा: अक्षय कुमार

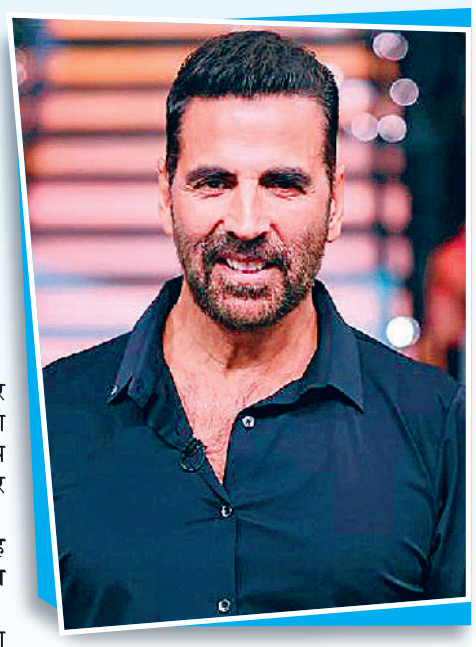

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

हाल में ही अक्षय कुमार टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक ऐसा रियालिटी शो लेकर आए हैं, जो पहले से ही 60 देशों में पॉपुलर हो चुका है। यह अमेरिका का नंबर वन रियालिटी शो है। इस शो का नाम 'व्हील ऑफ फॉर्चून' है। गेम का पूरा फॉर्मेट अक्षय कुमार खुद बतौर होस्ट इस शो की शुरुआत में समझाते हैं, साथ ही मजाकिया अंदाज में सबको हंसाते नजर आते हैं। इस शो के अलावा अक्षय की फिल्म 'हैवान' रिलीज होने वाली है, जबकि एक और फिल्म 'भूत बंगला' अप्रैल में रिलीज होगी। दोनों ही फिल्मों को प्रियदर्शन ने डायरेक्ट किया है। अक्षय का अपने इस शो और आने वाली फिल्मों को लेकर क्या कहना है? और भी पर्सनल सवालों के जवाब अक्षय कुमार ने एक मुलाकात में बेबाक अंदाज में दिए। पेश है अक्षय कुमार से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

आप इन दिनों सोनी एंटरटेनमेंट चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्चून' को होस्ट कर रहे हैं। इस गेम शो को होस्ट करने के पीछे खास वजह क्या है?

मुझे यह शो बहुत ही दिलचस्प लगा, क्योंकि इसमें पार्टिसिपेंट्स को ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने का मौका मिलता है। बहुत ज्यादा दिमाग नहीं लगाना है। अगर तकदीर ने साथ दिया तो कंटेस्टेंट्स, कुछ मिनटों में लाखों रुपए और कई अच्छे और महंगे गिफ्ट जीत सकते हैं। इस शो का फॉर्मेट सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पॉपुलर है। पर्सनली मुझे भी इस शो में कई सारी खूबियां नजर आईं, इसलिए मैंने बतौर होस्ट यह शो करना स्वीकार किया।

अमिताभ बच्चन ने टीवी पर 'कौन बनेगा करोड़पति' और सलमान खान ने 'बिग बॉस' जैसे सुपरहिट शो के कई सीजंस सफलतापूर्वक होस्ट किए हैं। ऐसे में क्या आपको इन दोनों कलाकारों से कंपैरिजन का भी प्रेशर है?

नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। मैं इस मामले में बहुत पॉजिटिव हूं। मुझे कुछ करना है तो मैं करता हूं, नेगेटिव बातें सोच कर अपने आप को कमजोर नहीं बनाता। मुझे 'व्हील ऑफ फॉर्चून' का कॉन्सेप्ट दिलचस्प लगा तो मैंने शो होस्ट करना मंजूर कर लिया। जहां तक अमित जी और सलमान का सवाल है तो अमित जी मेरे लिए फादर फिगर हैं, सलमान मेरा अच्छा दोस्त है। दोनों ही लोग अपना काम बहुत अच्छे से कर रहे हैं। मेरा उनके साथ कोई कॉम्पिटिशन नहीं है। मैं इस शो को एंज्वॉय कर रहा हूं।

अगर 'व्हील ऑफ फॉर्चून' में आप होस्ट की जगह पार्टिसिपेंट होते तो आप दिमाग से खेलते या नसीब के भरोसे गेम को आगे बढ़ाते?

यह शो दिमाग से ज्यादा तकदीर के साथ खेला जा सकता है। शो में दिमाग सिर्फ इतना ही लड़ा सकते हैं कि गेम के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब सोच-समझ कर दें, बाकी जब व्हील घूमता है तो जीरो पर भी रुक सकता है और एक करोड़ पर भी। मैंने इस शो में कई लोगों को लाखों रुपए जीतते हुए देखा है। सो अगर मैं कंटेस्टेंट होता तो मुझे भी सही जवाब देना पड़ता, बाकी किस्मत कितना साथ देती है, वह तो अपने हाथ में नहीं होता है।

'व्हील ऑफ फॉर्चून' में अक्षय कुमार का निराला अंदाज

अपने इस शो में क्या आप किसी खास बॉलीवुड एक्टर को बुलाना चाहेंगे?

अगर बॉलीवुड एक्टर को अपने शो में बुलाने की बात करें तो मैं सलमान, शाहरुख, विद्या बालन, सुनील शेट्टी, संजय दत्त इन सभी को अपने शो में बुलाना चाहूंगा।

आप तकदीर पर ज्यादा विश्वास करते हैं या मेहनत पर?

मेरा मानना है अगर आपकी तकदीर में कुछ नहीं है तो आप लाख कोशिश कर लो वह नहीं मिलेगा और अगर तकदीर में कुछ है तो आप वो पा ही लेंगे। मैं जब छोटा था तो अपने पापा के कंधों पर चढ़कर राजेश खन्ना साहब की शूटिंग और उनका बंगला देखने जाया करता था, मुझे क्या पता था कि एक दिन मेरी उनकी बेटी से ही शादी हो जाएगी। इसलिए मेरा मानना है कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है। जो आपकी तकदीर में लिखा है, वह जरूर आपके पास आएगा।

बीते कुछ समय में आपकी कई फिल्में असफल रहीं। क्या फ्लॉप फिल्मों ने आपको निराश किया?

फ्लॉप फिल्में कुछ समय के लिए दुःखी जरूर कर देती हैं, लेकिन जिंदगी में कभी मैं निराश नहीं होता हूं। करियर की शुरुआत में मैंने 12 से 15 फिल्में एक साथ फ्लॉप दी थीं। लेकिन बाद में तकदीर ने पलटा खाया और मेरी कई फिल्में हिट हो गईं, जैसे 'खिलाड़ी', 'मोहरा', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' एक्सेक्ट्रा। मेरा मकसद अपने किरदार के साथ पूरा न्याय करना है। फिर फिल्म फ्लॉप होती है या हिट, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

आने वाली फिल्म 'हैवान' में आप नेगेटिव रोल कर रहे हैं, क्या यह आपकी हीरो वाली इमेज को नुकसान पहुंचा सकता है?

मेरे ख्याल में ऐसा होगा नहीं, क्योंकि दर्शक भी अपने हीरो को हर तरह के किरदार में देखना चाहते हैं। 'हैवान' में मैं एक बार फिर नेगेटिव रोल कर रहा हूं। मुझे ऐसा लगता है कि दर्शक मुझे इस फिल्म के किरदार में भी बतौर एक्टर खूब पसंद करेंगे। *

पैसों से ज्यादा महत्वपूर्ण प्यार और रिश्ते

अक्षय कुमार के लिए लाइफ में पैसा ज्यादा महत्वपूर्ण है या प्यार, पूछने पर उनका जवाब होता है, 'मेरी नजर में लाइफ में पैसों से ज्यादा प्यार और रिश्तों की अहमियत है। मुझे अपनी बेटी के साथ वक्त बिताना बहुत अच्छा लगता है। खाली वक्त में मैं घर पर अपने परिवार के लिए खाना भी बनाता हूं। अगर आपके अपने आप के साथ हैं तो आप मेहनत करके पैसा कमा सकते हैं, लेकिन पैसों से आप रिश्ते या प्यार नहीं खरीद सकते हैं।'